जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 93 प्रभात चूरू, बुधवार 30 जुलाई, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

प्रधानमंत्री से 35 मिनट मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल के परिवर्तन की संभावना पूर्णतया खत्म हुई

भजनलाल जयपुर से अपनी सरकार के निर्णय व क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी देने के लिए कई फाइल्स लाये थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। दिल्ली और जयपुर में चल रही इन अटकलों, कि राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन होने वाला है, के विपरीत सूत्रों का कहना है कि फिलहाल भाजपा हाईकमान की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल को हटाकर किसी अन्य को लाने की कोई योजना नहीं है।

- **प्रधानमंत्री से 35 मिनट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल ने 5 घंटे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के कमरे में व्यतीत किये।**

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आज सुबह संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 35 मिनट की मुलाकात की, जिसके बाद उन्होंने संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के कार्यालय में लगभग 5 घंटे बिताए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

सूत्रों के मुताबिक, भजनलाल प्रधानमंत्री से मिलने के लिए एक विस्तृत फाइल के साथ पहुंचे, जिसमें उनकी सरकार के फैसले, कार्यवाहियाँ और गतिविधियाँ शामिल थीं। इसका उद्देश्य राज्य में उनके आलोचकों द्वारा लगाये जा रहे अक्षमता के आरोपों और नेतृत्व परिवर्तन की मांगों का जवाब देना था।

यह भी बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे कुछ समय से प्रधानमंत्री से मिलने के लिए समय मांग रही थीं, और जब उन्हें यह समय मिल गया, तो भजनलाल ने भी दिल्ली आने का फैसला किया।

संभवतः उन्हें यह आभास था कि वसुंधरा राजे प्रधानमंत्री से उनके काम-काज की शिकायतें करेंगी, इसीलिए भजनलाल पूरी तैयारी के साथ दिल्ली पहुंचे थे, ताकि वे केन्द्रीय नेतृत्व के सामने अपना पक्ष मजबूती से रख सकें।

दिल्ली में राजस्थान को लेकर चल रही गतिविधियों को देखते हुए, भाजपा सूत्रों का कहना है कि फिलहाल भजनलाल की कुर्सी को कोई खतरा नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती पेपर लीक में सुनवाई जारी

जयपुर, 29 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट में मंगलवार को एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में सुनवाई जारी रही। जस्टिस समीर जैन ने अदालती समय पूरा हो जाने के कारण मामले की सुनवाई आगामी दिनों के लिए टाल दी।

- **हाई कोर्ट का समय पूरा होने तक याचिकाकर्ताओं की बहस पूरी नहीं हुई।**

सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता कैलाशचन्द व अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मेजर आरपी सिंह और अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने पक्ष रखा। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि भर्ती परीक्षा का पेपर परीक्षा के दिन से काफी पहले ही आरपीएससी से लीक हो गया था। ऐसे में यह व्यापक स्तर पर अभ्यर्थियों के पास पहुंचा था, जिससे भर्ती परीक्षा की सुचिता और शुद्धता भंग हो गई थी। मामले में एसओजी ने आरपीएससी के सदस्यों तथा ट्रेनी एसआई सहित, अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। ऐसे में परीक्षा को रद्द किया जाना चाहिए।

मोदी ने चोल साम्राज्य की गौरव गाथा में उत्साह से शामिल होकर द्रमुक का प्रचार बेअसर किया

द्रमुक अक्सर आरोप लगाती है कि भाजपा तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को खत्म करना चाहती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल ही में संपन्न हुई दो दिवसीय तमिलनाडु यात्रा ने भाजपा और अन्नाद्रमुक के रिश्तों में फिर से मधुरता ला दी है। यह दोनों पार्टियाँ अप्रैल 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले सीट बंटवारे को लेकर अलग हो गई थीं।

राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए, दोनों दलों के बीच के इस मेल-मिलाप को दोनों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

दोनों दलों के बीच बढ़ती निकटता के संकेत तब देखने को मिले, जब ईके पलानीस्वामी (ईपीएस) समेत अन्नाद्रमुक के कई वरिष्ठ नेता, जैसे कि के.पी. मुनुसामी, एस.पी. वेलुमणि और थलैवी सुंदरम, प्रधानमंत्री मोदी से एयरपोर्ट पर मिले।

दिलचस्प बात यह रही कि पूर्व अन्नाद्रमुक नेता ओ. पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) को मोदी से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। एक अन्नाद्रमुक नेता ने कहा, "मोदी द्वारा पन्नीरसेल्वम से न मिलना भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह संकेत है कि भाजपा अगला चुनाव लड़ने में अपने मौजूदा गठबंधन को प्राथमिकता दे रही है।"

- **प्र.मंत्री की तमिलनाडु यात्रा से अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच में जमीनी स्तर पर आपसी सामंजस्य और परस्पर सौहार्द्र बढ़ा है, खासकर दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच संबंध बेहतर बने हैं।**
- **मोदी के त्रिची में हुए रोड शो की सफलता सुनिश्चित करने में अन्नाद्रमुक के कैडर ने जोरदार प्रयास किए, इससे यह संकेत मिला कि भाजपा के साथ चुनाव लड़ने के बारे में अन्नाद्रमुक में जो अनिच्छा थी वह अब खत्म हो गई है।**
- **इसके अलावा प्रधानमंत्री ने अन्नाद्रमुक के पूर्व नेता पन्नीरसेल्वम से मिलने से इन्कार करके संकेत दिया कि भाजपा को अन्नाद्रमुक की अंदरूनी खींचतान से कोई लेना-देना नहीं है।**

राज्य के भाजपा कार्यकर्ता इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि मोदी ने 'आदि तिरुवधिरई' महोत्सव में भाग लिया, जो चोल वंश की विरासत को उजागर करता है। यह द्रमुक (डीएमके) के कीलाडी नैरेटिव के मुकाबले एक सशक्त सांस्कृतिक जवाब माना जा रहा है। द्रमुक अक्सर भाजपा पर तमिलनाडु की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने का आरोप लगाती रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि मोदी की यात्रा ने भाजपा और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है'

प्र.मंत्री मोदी ने कहा, अगर पाक ने आतंकी हरकत की तो फिर से सैन्य कार्यवाही की जाएगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी कि यदि वह भारत में आतंकी हमलों के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद नहीं करता, तो भारत की सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी।

लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले और उससे जुड़े मुद्दों पर दो घंटे की बहस का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने अपने 100 मिनट के भाषण में स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है, और जब भी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद सिर उठाएगा, यह ऑपरेशन फिर से सक्रिय किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत, पाकिस्तान की परमाणु हमले की धमकियों से डरने वाला नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार की कड़ी आलोचना की और कहा कि कोई भी वैश्विक नेता भारत से युद्ध रोकने को नहीं कह रहा है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कथित हस्तक्षेप की अफवाहों को भी खारिज किया।

- **लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा पर अपने 100 मिनट के जवाब में प्र.मंत्री ने कहा, विश्व के किसी भी नेता ने पाक पर सैन्य कार्यवाही रोकने के लिए नहीं कहा था।**
- **मोदी ने कहा, भारत, न्यूक्लियर अटैक की पाकिस्तान की धमकी से रूकने वाला नहीं है। भारत की प्रतिक्रिया पहले से भी मजबूत व आक्रामक होगी।**

गृह मंत्री अमित शाह ने भी लोकसभा में कहा कि यह दुष्प्रचार बंद किया जाए कि भारत ने पहलगाम हमलावरों की पहचान नहीं की। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल तीन आतंकियों को 28 जुलाई को ही मार गिराया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत की प्रतिक्रिया अब और अधिक कठोर और निर्णायक होगी। उन्होंने विपक्ष से भी अपील की कि वे किसी भी प्रकार से पाकिस्तान का समर्थन या उसका प्रचार न करें।

टोंक के जर्जर विद्यालयों की शीघ्र मरम्मत की माँग

टोंक, 29 जुलाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर टोंक विधानसभा क्षेत्र के जीर्ण-शीर्ण एवं जर्जर अवस्था में मौजूद सरकारी विद्यालयों में शीघ्र मरम्मत कार्य प्रारम्भ करवाने की मांग की है।

- **सचिन पायलट ने राज्य के मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा।**

पायलट ने अपने पत्र में टोंक विधानसभा क्षेत्र में जर्जर घोषित हुए सरकारी विद्यालयों हेतु नवीन भवन बनवाने तथा मेजर एवं माइनर रिपेरिंग की आवश्यकता वाले माध्यमिक एवं प्रारम्भिक सरकारी विद्यालयों में शीघ्र मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्ष ने लोकसभा में सरकार को घेरा

लोकसभा में विपक्ष द्वारा एक आवाज में सरकार की क्षमता व जवाबदेही पर सवाल उठाना एक स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। सोमवार और मंगलवार को संसद के दोनों सदनों-लोकसभा और राज्यसभा-में विपक्ष ने एकजुट होकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। विपक्ष ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले को लेकर सरकार पर पूरी तरह विफल होने का आरोप लगाया।

समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव ने सरकार पर नतीजों पर फोकस करने की बजाय, ऑपरेशन महादेव जैसे सैन्य अभियानों का राजनीतिककरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने इन हाइप्रोफाइल आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन के उद्देश्य व नतीजों पर स्पष्टीकरण मांगा।

उन्होंने आतंरिक सुरक्षा विफलता को मोदी सरकार के सामरिक रुख से जोड़ते हुए कहा, सरकार राष्ट्रवाद की नारेबाजी की आड़ में नहीं छुप सकती, जबकि यह अपने ही लोगों की रक्षा नहीं कर पाई। देश को यह बताइए कि पिछले 11 वर्षों में चीन ने कितनी जमीन कब्जाई है?"

- **समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश ने कहा, मोदी सरकार राष्ट्रवाद की नारेबाजी की आड में सच्चाई नहीं छुपा सकती है, लोगों को यह जानने का हक है कि किसने निर्दोष पर्यटकों को मारा और यह सब कैसे हुआ।**
- **अखिलेश ने आरोप लगाया कि सरकार आपरेशन महादेव जैसी सैन्य कार्यवाहियों का राजनैतिककरण कर रही है। नतीजों पर उसका ध्यान नहीं है।**
- **तृणमूल सांसद सयानी घोष ने कहा, हम लोकतंत्र है, प्रचार मशीन नहीं, मोदी सरकार को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए। सरकार "हाई वोल्टैज प्रोपैगेंडा" में विश्वास रखती है।**
- **द्रमुक सांसद कनिमोई ने सरकार पर सूचनाएं छिपाने का आरोप लगाया।**

अखिलेश ने मांग की कि केन्द्र पहलगाम हमलावरों का ब्यौरा दे और बताए कि क्या इस हमले की पूर्व चेतावनी थी, जिसकी अनदेखी की गई। उन्होंने पूछा, जनता को यह जानने का हक है कि किसने निर्दोष पर्यटकों को मारा। अगर हमारा खुफिया तंत्र सर्तक था तो यह घटना कैसे हुई।

द्रमुक की कनिमोई और ए. राजा ने ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार की पारदर्शिता की कमी को लेकर सवाल उठाए। कनिमोई ने जानकारी नहीं देने पर सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि सुरक्षा एजेंसियों से जानकारी के अभाव में स्थानीय लोगों को भय में जीने को मजबूर किया गया।

उन्होंने कहा, "सरकार केवल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बस-ट्रक भिंड़त में 6 तीर्थयात्रियों की मौत

देवघर, 29 जुलाई। देवघर-हंसडीहा मार्ग पर मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस और ट्रक की टक्कर में बस सवार छह तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। हादसे में चालक की भी मौत हो गई। 27 यात्री घायल हो गए। इनमें से आठ को एम्स रैफर किया गया है। उनका इमरजेंसी में इलाज चल रहा है। कुछ को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। बाकी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। देवघर से बासुकीनाथ जा रही यात्री बस में 40 से अधिक तीर्थयात्री सवार थे। यात्री बिहार और छत्तीसगढ़ के थे।

- **यात्री बस में 40 तीर्थयात्री देवघर से बासुकीनाथ जा रहे थे।**

बस में सवार मोतिहारी निवासी सुरेन्द्र यादव ने बताया कि बस सामने से आ रहे सिलेंडर लदे ट्रक से टकरा गई। टक्कर लगते ही चालक सीट समेत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेतृत्व सिर्फ श्रेय लेना नहीं होता, जिम्मेवारी भी स्वीकार करनी पड़ती हैं- प्रियंका गांधी

प्रियंका ने लोकसभा में यह भी कहा, "यहाँ बैठे हम सभी के पास सुरक्षा कवर है, पर, पहलगाम, जहाँ हमला हुआ, वहाँ एक भी सैनिक क्यों नहीं था"

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और सवाल उठाया कि यह हमला हुआ कैसे। उन्होंने बड़ी निपुणता के साथ उन कोशिशों का भी जवाब दिया, जिनमें हमले के पीड़ितों को सांप्रदायिक चश्मे से देखा जा रहा था। कुछ सांसदों द्वारा पीड़ितों को "हिंदू" कहे जाने पर उन्होंने कहा, वे "भारतीय थे"।

प्रियंका ने सुरक्षा में हुई चूक को लेकर सरकार को घेरा और पूछा कि जिस बैसारन वैली (पहलगाम) में हमला हुआ, वहां कोई सुरक्षा बल क्यों नहीं तैनात था।

- **लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर जबर्दस्त हमला बोला और कहा, गृह मंत्री अमित शाह इतिहास के पन्नों में चले गए, नेहरु, गांधी, मेरी माँ के आँसू, सब पर बोले, पर, असली सवाल का जवाब नहीं दिया कि पहलगाम अटैक क्यों और कैसे हुआ।**
- **प्रियंका ने कहा, शाह ने बताया यूपीए के 10 साल के राज में 25 हमले हुए, पर, 2020 से लेकर पहलगाम अटैक तक कश्मीर में ही 25 हमले हो चुके हैं। जब मुम्बई अटैक हुआ था तब उस समय के गृह मंत्री और मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था। एक को छोड़ कर सारे आतंकी मारे गए थे।**
- **प्रियंका गांधी ने तंज कसा, 11 साल हो गए आपको सत्ता में, अब तो जिम्मेवारी लीजिए।**
- **प्रियंका ने कहा, अगर ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य पाकिस्तान को सबक सिखाना था तो यह अधूरा है। पाक जनरल अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ लंच करते हैं। पाकिस्तान को सुरक्षा परिषद में एंटी-टैरर पैनल का मुखिया बनाया जाता है। इससे ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य आहत हुआ है।**
- **लोकसभा में दिया गया प्रियंका गांधी का भाषण आज दिन भर सुर्खियों में रहा और सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।**

यह तीखा बयान उन्होंने मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में "ऑपरेशन सिंदूर" पर विशेष चर्चा के दौरान दिया, जहां उन्होंने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की "हैंडलिंग" को लेकर केन्द्र की भाजपा सरकार के तौर-तरीकों पर सवाल उठाए। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी।

वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार कितने भी ऑपरेशन कर ले, लेकिन सच्चाई नहीं छुप सकती। उन्होंने कहा, "इस सदन में बैठे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छात्रसंघ चुनाव पर हाई कोर्ट ने सरकार से जवाब माँगा

जयपुर, 29 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन से एक अगस्त तक जवाब मांगा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने ये आदेश छात्र जय राव की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- **अदालत ने राज्य सरकार व विश्वविद्यालय प्रशासन को 1 अगस्त तक जवाब देने को कहा।**

याचिका में अधिवक्ता शांतनु पारीक ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक छात्र को अपना प्रतिनिधि चुनने का संवैधानिक अधिकार है। अपने प्रतिनिधि के माध्यम से ही विद्यार्थियों की समस्याएं प्रशासन तक पहुंचती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी केरल विश्वविद्यालय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

कहानी जहाँ खत्म होती है, जीवन वहीं से शुरू होता है। – संजीव

फ़ेसबुक का लाइक बटन क्या गुल खिलाता है!

आभासी डिजिटल पटल पर 2009 में जब 'फ़ेसबुक' ने लाइक बटन प्रस्तुत किया, तब से यह बटन सोशल मीडिया की भाषा का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह बटन एक क्लिक के ज़रिए उपयोगकर्ताओं को किसी पोस्ट, फोटो, वीडियो या टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया देने का आसान माध्यम देता है। लाइक बटन ने उपयोगकर्ताओं को शब्दों के बिना अपनी सहमति, सराहना या जुड़ाव जताने का ज़रिया दिया है। समय के साथ अब यह केवल एक बटन नहीं रहा, बल्कि इसके ज़रिए अनेक संभावनाएं साकार हुई हैं। इससे किसी पोस्ट की लोकप्रियता मापी जा सकती है। बाज़ार के ब्रांड और पेज अपनी पहुंच का इसी से विश्लेषण करते हैं। मगर हाल के वर्षों में लाइक बटन की भूमिका पर सवाल भी उठने लगे हैं। कई शोध बताते हैं कि लाइक की संख्या पर अत्यधिक ध्यान देने की लत उपयोगकर्ताओं के आत्मसम्मान तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। उपयोगकर्ता लाइक पाने की होड़ में कृत्रिम और आकर्षक कंटेंट पोस्ट करने की उतावली करते हैं, जिससे प्रामाणिकता में कमी आती है। एल्गोरिदम अधिक लाइक वाले पोस्ट को बढ़ावा देता है, जिससे कम आकर्षक पोस्ट दब जाते हैं। एल्गोरिदम यह तय करते हैं कि कौन-सा कंटेंट फीड में ऊपर दिखाया जाए। इन चुनौतियों के चलते फ़ेसबुक ने परीक्षण के रूप में कुछ देशों में लाइक की गिनती छिपाने का विकल्प शुरू किया है। इसका उद्देश्य है कि उपयोगकर्ता कंटेंट की गुणवत्ता पर ध्यान दें, न कि उसकी लोकप्रियता पर। पहले केवल लाइक बटन था, अब लव, हा हा, दुखद, क्रोध जैसी इमोजी प्रतिक्रियाएं भी हैं। जानकार कहते हैं कि भविष्य में यह प्रतिक्रियाएं और विविध हो सकती हैं। ऐसी परिस्थिति में फ़ेसबुक का लाइक बटन एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। बहुतों को लगता है कि लाइक बटन का स्वरूप आगे चलकर बदलेगा, मगर इसकी उपयोगिता किसी न किसी रूप में डिजिटल बातचीत में जरूर बनी रहेगी।

कहा जाता है कि फ़ेसबुक पर 'लाइक' बटन के कई सामाजिक और मानसिक प्रभाव हो सकते हैं, जो कभी-कभी नुकसानदायक भी साबित हो सकते हैं। लोग 'लाइक्स' को एक तरह के रिवार्ड (इनाम) की तरह देखने लगते हैं। जब ज़्यादा लाइक्स मिलते हैं तो अच्छा लगता है, जिसे चिकित्सा विज्ञान में डोपामाइन इफ़ेक्ट कहा जाता है। डोपामाइन एक प्रकार का रसायन है जो दिमाग में तब रिलीज होता है, जब मस्तिष्क इनाम जैसा कुछ पाने की उम्मीद कर रहा होता है। लेकिन जब लाइक कम मिलते हैं तो निराशा होती है। अपनी किसी पोस्ट पर कम लाइक्स मिलने से व्यक्ति खुद को कम मूल्यवान महसूस कर सकता है। इसके साथ ही उपयोगकर्ता में अपनी दूसरों से तुलना की भावना जाग्रत हो उठती है। लोग दूसरों की पोस्ट और लाइक्स की संख्या से अपनी तुलना करने लगते हैं, जिससे ईर्ष्या और हीन भावना पैदा होती है जो अवसाद की हालत में ले जा सकती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि लाइक्स अक्सर किसी पोस्ट की 'गुणवत्ता' नहीं बल्कि लोकप्रियता या टाइमिंग को दर्शाते हैं। इससे कंटेंट की असली वैल्यू को समझना मुश्किल हो जाता है। इनसे फ़ेसबुक पर फेक और सतही व्यवहार को बढ़ावा मिलता है। लोग लाइक्स पाने के लिए झूठी या अतिशयोक्तिपूर्ण बातें पोस्ट करते हैं, जिससे सोशल मीडिया पर झूठ और फरेब बढ़ता है। अपनी पोस्ट को बार-बार चेक करना कि उसे कितने लाइक्स मिले हैं, एक आदत सी बन सकती है।

लाइक बटन के आविष्कार में कई लोगों का हाथ था, और उन्होंने इसे जिस तरह से डिज़ाइन किया, वह अंततः इसके द्वारा किए गए सभी कार्यों का एक छोटा सा हिस्सा था। मूल लाइक बटन को शायद तारीफ़ों को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था जो लोगों को अधिक ऑनलाइन सामग्री बनाने के लिए प्रेरित कर सके। फिर सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की उस सामग्री के लिए विभिन्न भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को दर्ज करने की इच्छा को पहचानने के लिए बदल दिया गया जिससे पता चल सके कि क्या चीजें उपयोगकर्ता का ध्यान आकर्षित कर रही है। लाइक का क्लिक लोगों की पसंद करने के व्यवहार के अलावा उनकी पहचान को स्थापित करने, समूह में स्थिति को मजबूत करने, बातचीत को विनियमित करने, दूसरों में रुचि दिखाने, सामाजिक संबंध बनाए रखने, पसंदीदा राय को बढ़ावा देने तथा और भी बहुत कुछ करने की उनकी इच्छाओं को दर्शाता है। इसीलिए अध्ययनकर्ता अब ऑनलाइन उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस में एक-क्लिक सुविधा के भविष्य के बारे में शोध कर रहे हैं तथा ऐसे सवाल पूछ रहे हैं। शोधकर्ता उन सामाजिक और व्यावसायिक जरूरतों के भविष्य तथा उनकर समाधानों के बारे में भी अधिक व्यापक रूप से खोज कर रहे हैं जो लाइक के क्लिकों से पूरी होती हैं। यह जानने की कोशिशें लगातार जारी हैं कि भविष्य में लोगों की भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को कैसे अधिक कुशलतापूर्वक दर्ज किया जा सकता है। इसीलिए सभी की यह जानने की उत्सुकता है कि क्या डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म लाइक बटन को एक सर्व-उद्देश्यीय वाले उपकरण के रूप में उसे पेश करना जारी रखेंगे या इसे एक स्विस आर्मी चाकू की भांति बनाएंगे जो डिजिटल बातचीत के अंत को थामे रखने के लिए होगा। यह जानने की जिज्ञासा भी बनी हुई है कि क्या लाइक बटन के प्रत्येक फ़ंक्शन का रास्ता भविष्य में अलग-अलग होगा? विशेषज्ञों की राय है कि किसी भी तरह से हो, जो भी आगे आएगा वह वर्तमान सुविधा को एक झटके में बदलने के बजाय धीरे-धीरे खुद को स्थापित करने की संभावना के साथ आएगा।

यह स्पष्ट है कि लाइक बटन से राय जाहिर करना आसान होता है। उससे बिना कमेंट किए किसी पोस्ट के प्रति अपनी सहमति या पसंद जाहिर की जा सकती है। वह समय की बचत भी करता है क्योंकि सिर्फ एक क्लिक में अपनी प्रतिक्रिया दी जा सकती है। दूसरी तरफ इससेइंटरेस्ट पर्सनलाइजेशन भी होता है। जो चीजें हम लाइक करते हैं, फ़ेसबुक उसे ट्रेक करता है तथा उसी से जुड़ी सामग्री और विज्ञापन उपयोगकर्ताओं को दिखाना शुरू कर देता है। मगर इससे उपयोगकर्ता को नहीं, कंटेंट क्रिएटर और पेज ओनर को फायदा होता है। यह बाज़ार की व्यवस्था है। इससे उन्हें फीडबैक मिलता है कि कितने लोगों को पोस्ट पसंद आई, और वे इससे किसी उत्पाद या मत का अंदाज़ा लगा सकते हैं। इससे आभासी दुनिया में एंगेजमेंट या जुड़ाव भी बढ़ता है। ज्यादा लाइक का मतलब है कि पोस्ट अधिक लोगों तक पहुंच रही है। इससे यह समझने में भी मदद मिलती है कि किस टाइप का कंटेंट ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इसे ऑडियंस एनालिटिक्स कहते हैं। इससे यूज़र बिहेवियर (उपयोगकर्ता के व्यवहार) को ट्रैक करना आसान होता है कि कौन क्या पसंद कर रहा है। इससे यूज़र प्रोफ़ाइल बेहतर बनाई जा सकती है जिससे सटीक विज्ञापन टारगेटिंग की जा सकती है जो डिजिटल दुनिया का मूल में कारोबार है। इसी से उपयोगकर्ता की पसंद के हिसाब से विज्ञापन दिखाए जाते हैं। इससे क्या दिखाया जाए की 'कंटेंट सिफारिश प्रणाली' में सुधार लाया जाता है। अर्थात डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म उसी प्रकार का कंटेंट सुझाता है जो लोगों को पसंद आ रहा है।

अब दबाव बढ़ रहा है कि एल्गोरिदम को केवल लाइक के बजाय साझा करने, टिप्पणी करने और देखने की अवधि जैसे मापदंडों को भी महत्त्व देना चाहिए। यदि ऐसा होता है तो वह यूज़र-केंद्रित अनुभव होगा और भविष्य में यूज़र को यह चुनने की आज़ादी मिल सकती है कि वह दूसरों के लाइक देखना चाहता है या नहीं। इस तरफ बहुत कम लोगों का ध्यान जाता है कि लाइक पैटर्न से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स लोगों की रुचियों और व्यवहार को जब ट्रैक करते हैं, तब उनकी निजता प्रभावित हो सकती है। आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से डिजिटल मीडिया संचालक यह भी समझने की कोशिश करेंगे कि किसी प्रतिक्रिया के पीछे भावनात्मक मंशा क्या है।

अब मुश्किल यह भी है कि आभासी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के वास्तविक जीवन के इतने करीब आ गया है कि लोग ऑफ़लाइन बातचीत से दूर होते जा रहे हैं। लगता है कि यह धीरे-धीरे लोगों की वास्तविक जीवन जीने की क्षमता को नष्ट कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि क्या लाइक बटन चालू रहेगा तथा अधिक विकसित हो कर फैलेगा? बहुतों को लगता है कि नई आदतें लाइक को अप्रचलित बना सकती है। और दूसरे नियामक एजेंसियां और नीति निर्माता डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर अंकुश लगा सकते हैं जिससे लाइक की बाज़ार के लिए उपयोगिता बाधित हो। मगर दूसरी तरफ, कानूनी और नियामक हस्तक्षेप लाइक बटन को नई ताकत भी दे सकते हैं। लाइक बटन शून्य में मौजूद नहीं है। यदि ऐसे सक्रिय कानून बनते हैं जो लोगों को किसी संदेश को साझा करने से पहले थोड़ा रुककर उसके संभावित परिणामों पर विचार करने की व्यवस्था करते हों, तो प्रक्रिया मंक टकराव के हालत रोके जा सकते हैं और लोग प्रतिक्रिया दर्ज करने के लिए सरल लाइक बटन का उपयोग कर सकते हैं। किसी डेटा को पसंद करना एल्गोरिदम में अधिक महत्व देने वाले कारक के रूप में नयी पहचान प्राप्त कर सकता है। विभिन्न अध्ययनों में लाइक बटन की जटिलताओं और संभावनाओं का पता चला है तो साथ ही यह भी पाया गया है कि यह बटन एक साथ इतनी सारी सुविधाएं प्रदान करता है कि अब वह सोशल मीडिया पर एक जरूरी उपकरण बन चुका है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि फेसबुक का लाइक बटन कितना लाइक किया जाता है।

यह बाज़ार की व्यवस्था है। इससे उन्हें फीडबैक मिलता है कि कितने लोगों को पोस्ट पसंद आई, और वे इससे किसी उत्पाद या मत का अंदाज़ा लगा सकते हैं। इससे आभासी दुनिया में एंगेजमेंट या जुड़ाव भी बढ़ता है। ज्यादा लाइक का मतलब है कि पोस्ट अधिक लोगों तक पहुंच रही है। इससे यह समझने में भी मदद मिलती है कि किस टाइप का कंटेंट ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इसे ऑडियंस एनालिटिक्स कहते हैं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

खादी से हस्तशिल्प तक: स्वदेशी आंदोलन की नई परिभाषा

अविनाश जोशी

स्वदेशी सोच आधुनिक भारतीय समाज के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसका मतलब है अपनी देशीय उत्पादों को प्राथमिकता देना, उन्हें समर्थन देना और स्वदेशी उत्पादों की उपयोगिता बढ़ाना। स्वदेशी सोच विशेष रूप से अर्थव्यवस्था, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है। यह देश की आत्मनिर्भरता और समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान है।

भारतीय वस्तुओ के प्रति अनुराग एवम विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार यही तो हमारा मुख्य धर्म होना चाहिए। आज की पीढ़ी को यह सब बताना होगा हमे स्वदेशी उद्योगों, शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। फैशन ही सही लेकिन स्वदेशी मोह हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। खादी एवम सूती कपड़े का प्रचलन स्वदेशी उत्पाद के प्रति जागरूकता का ज्वलंत उदाहरण है। स्थानीय बाजार में स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों और सेवाओं को समर्थन देना और बढ़ावा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन सभी पहलों के साथ, स्वदेशी ब्रांड्स को उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक विश्वसनीय, उपयुक्त और रचनात्मक समाधान प्रदान करने के लिए प्रयास करना होगा।

स्वदेशी सोच देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करती है क्योंकि यह उत्पादन, रोजगार, और आय को स्थानीय स्तर पर बढ़ाती है। स्वदेशी उत्पादन और सेवाओं का समर्थन करने से देश में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र का विकास होता है, जिससे सार्वजनिक उत्पादन और सेवाओं की गुणवत्ता भी बढ़ती है। इसके अलावा, स्वदेशी सोच भ्रष्टाचार को कम करने में भी मदद कर सकती है, क्योंकि स्थानीय उत्पादन और सेवाओं को समर्थन करने से विभाजन और अन्य संगठनात्मक असंतोष कम होता है।

स्वदेशी हमारे राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम का मूल-मंत्र था, कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं। उन्नीसवीं सदी में दादा भाई नौरोजी की 'ड्रेन थ्योरी' हो या रमेशचंद्र दत्त की लिखी 'भारत का आर्थिक इतिहास' या सखाराम गणेश देउस्कर लिखित 'देशेर कथा' जैसी पुस्तकें हो, सभी के केंद्र में औपनिवेशिक शासन-तंत्र द्वारा देसी संसाधनों का दोहन व देशी धन-संपदा के विलायत में पलायन को रोकना मुख्य सरोकार थे। आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक माने जाने वाले भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपने लेखन से स्वदेशी की अलख जगाई। 1905 का बंग-भंग विरोधी आंदोलन भी स्वदेशी की भावना से ओतप्रोत था जब बंगाल में विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई और उनके बहिष्कार पर बल दिया गया। इस स्वदेशी भाव को राष्ट्रीय स्तर पर बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया महात्मा गांधी ने 1920 में असहयोग आंदोलन आरंभ करके। उन्होंने इसे न केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तथा उनके अग्निदाह तक सीमित रखा, बल्कि उद्योग-शिल्प, भाषा, शिक्षा, वेश-भूषा आदि सब पर स्वदेशी का रंग चस्पा कर दिया।

स्वदेशी ब्रांड्स के सामने अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के प्रति लोगों का विश्वास और विचारशीलता बढ़ाने हेतु स्वदेशी ब्रांड्स को अपने उत्पादों और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और प्रदर्शन को संदर्भित करना होगा। लोगों को स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों के सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को समझाना चाहिए। स्वदेशी ब्रांड्स को अपने ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए प्रयास करना होगा। उन्हें नई तकनीकों का उपयोग करके उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने का प्रयास करना होगा।

स्वदेशी वस्तुओं के मोह को बढ़ाने हेतु लोगों को स्वदेशी उत्पादों के बारे में जागरूक करें, उनके गुणवत्ता, स्थानीय उत्पादन और पर्यावरणीय लाभों के बारे में बताएं। स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करने के लिए लोगों को प्रेरित करें, विशेष रूप से स्थानीय व्यवसायों को समर्थन दें। स्वदेशी उत्पादों की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करें, यह ऑनलाइन या अधिक स्थानीय दुकानों में उपलब्ध हो सकता है। स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने से देश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता में योगदान के महत्व को समझाएं। स्वदेशी ब्रांड्स को बढ़ावा देने के लिए उनका ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करें। स्वदेशी उत्पादों के लिए स्थानीय बाजारों और दुकानों में यात्रा करें, और अपने समर्थन का एक विशेष रूप उन्हें दिखाएं। इन तरीकों का अनुसरण करके, स्वदेशी उत्पादों के मोह को बढ़ा सकते हैं और देश के स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन दे सकते हैं।

ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये उत्पादकों को सीधे बाजार तक पहुँचने का माध्यम प्रदान करते हैं और स्थानीय विकास को समर्थन देते हैं। ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय कला, शिल्प, और संस्कृति को प्रमोट करते हैं, जिससे उनकी अर्थात्मकता बढ़ती है। ये हाट और हस्तशिल्प क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, विशेष रूप से महिलाओं और गरीब वर्ग के लोगों के लिए। ये ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय उत्पादकों के उत्पादों को बाजार में प्रसारित करने का माध्यम होते हैं। ये हाट और हस्तशिल्प स्थानीय शिल्पकला, बुनाई, और अन्य परंपरागत कलाओं को बचाव और संरक्षण का माध्यम भी बनाते हैं। ये स्थानीय समुदाय के आर्थिक विकास में सहायक होते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान होता है। इस प्रकार, ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर स्वदेशी उत्पादों के प्रसार और समर्थन में मदद करते हैं।

स्वदेशी सोच को केवल एक दिखावा मानना गलत हो सकता है। हालांकि, कुछ लोग इसे सिर्फ आधुनिक एवं कुछ अलग दिख सके इसका माध्यम मानते हैं, लेकिन असल में, स्वदेश सोच एक विचारशीलता और सामाजिक परिवर्तन की दिशा है। यह उत्पादन, वित्तीय स्वावलंबन, और स्थानीय समुदायों के विकास को समर्थन करता है। इसका उदाहरण उत्पादों की स्थानीय खरीदारी, स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करना, और विदेशी निवेशों के साथ समर्थन का एकीकरण हो सकता है। इसलिए, स्वदेश सोच वास्तव में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की अवधारणा है, जो समृद्धि और समाज की उन्नति की दिशा में मदद कर सकती है।

स्वदेशी सोच में खादी का महत्वपूर्ण योगदान है। खादी एक परंपरागत भारतीय वस्त्र है जो देश की स्वतंत्रता संग्राम के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खादी का उत्पादन देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का स्त्रोत बनाता है और स्थानीय विकास को समर्थन करता है। खादी के उत्पादन में श्रमिकों की संख्या बहुत बड़ी होती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। यह उत्पादन भी परंपरागत और स्थानीय वस्त्रों का उत्पादन प्रोत्साहित करता है, जो स्थानीय बाजारों को समृद्ध करता है। इसके अलावा, खादी के उत्पादन में विदेशी निवेशों की कमी होती है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलती है। खादी उत्पादन और उपभोक्ता के बीच संबंध भी स्थापित करता है, जो राष्ट्रीय एकता और गर्व को बढ़ाता है। इस तरह, खादी स्वदेशी सोच के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करती है।

स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन का संगम आधुनिक जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण दिशा है। आज के समय में, लोग अपने स्थानीय वस्त्र, शैली, और विरासत को महत्व देते हैं, जो स्वदेशी मानसिकता को प्रोत्साहित करता है। आधुनिक फैशन में स्थानीय अनुभूति, परंपरा, और कला को शामिल किया जाता है। यह लोगों को अपनी संस्कृति के प्रति गर्व महसूस कराता है और स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहित करता है। स्वदेशी मानसिकता के साथ, लोग अपने स्थानीय उत्पादों को पसंद करने और समर्थन करने के लिए प्रेरित होते हैं, जिसमें स्थानीय वस्त्र, उपहार, और आभूषण शामिल हो सकते हैं। इस तरह, स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन दोनों को ही एक मंत्र बना सकते हैं, जो स्थानीय समुदायों को समृद्धि और समाज में गर्व का अहसास कराते हैं।

–अविनाश जोशी,
स्वतन्त्र पत्रकार एवम लेखक

स्कूलों की मरम्मत के लिए 102.4 लाख रुपये मंजूर

निम्बाहेड़ा। निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षतिग्रस्त विद्यालयों की मरम्मत के लिए पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी की अनुशंसा पर राज्य सरकार के राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् के द्वारा निम्बाहेडा ब्लॉक में 4 तथा छोटीसादड़ी ब्लॉक में 5 राजकीय विद्यालयों के क्षितठास्त भवनों की मरम्मत के लिए 102.4 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है। विधायक कृपलानी ने बताया कि स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर समठा शिक्षा एंड स्कूल शिक्षा की कमिश्नर अनुपमा जोरवाल द्वारा निम्बाहेड़ा ब्लॉक के 4 क्षतिग्रस्त विद्यालयों की मरम्मत के लिए 59 लाख रूपये तथा छोटीसादड़ी ब्लॉक के 5 क्षतिग्रस्त विद्यालयों की मरम्मत के लिए 43.40 लाख रूपये की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है। इनमें निम्बाहेड़ा ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडला चारण के लिए 13 लाख, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कनेरा के लिए 16 लाख, तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भुजिया खेड़ी के लिए 17 लाख रूपये की स्वीकृति जारी की गई है।

हलैना का संस्कृत स्कूल जर्जर हालत में

हलैना (निस)। संस्कृत शिक्षा विभाग के अधीनस्थ कस्वा हलैना में संचालित राजकीय संस्कृत उच्च प्राथमिक स्कूल के भवन की हालत दयनीय होने से विद्यार्थी व गुरूजन बेहद परेशान है, ये स्कूल साल 1996 में खुला और साल 2006 में क्रमोन्नत हुआ और साल 2007 में करीब 50 लाख की लागत से भवन का निर्माण हुआ। ये भवन गुजरे 18 साल के अन्दर ही जर्जर होने लग गया, भवन के कमरों की दीवारों में दरारे पड गई और हल्की बरसात होने पर छत्त से पानी टपकता है तथा दीवारों से सीमेन्ट व बजरी-कंकड गिरते है। भवन के अभाव में बच्चें खुले आसमान के नीचे और मैदान में बैठ कर पढने को मजबूर है। संस्था प्रधान भागचन्द मीणा की सूचना पर संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी सतीश बागौरिया ने 29 जुलाई को कस्वा हलैना के सरकारी संस्कृत स्कूल की हालत देखी और जर्जर भवन के अन्दर प्रवेश पर पाबन्दी लगा दी। साथ ही प्रशासन,समसा,संस्कृत शिक्षा विभाग के आलाधिकारियों स्कूल की हालत से अवगत करा दिया। संस्कृत स्कूल के संस्था प्रधान भागचन्द मीणा ने बताया कि 18 साल के अन्दर ही भवन कीइ हालत जर्जर होना चिन्ता का विषय है,जिसकी सूचना विभाग को भेज दी। स्कूल में कक्षा एक से आठवी तक 70 विद्यार्थी पढते है और संस्था प्रधान सहित सात शिक्षक-शिक्षिका लगे हुए है। भवन का अभाव होने से बच्चों की पढाई प्रभावित हो गई। संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी सतीश बागौरिया ने बताया कि कस्वा हलैना के संस्कृत स्कूल का निरीक्षण किया,जिसकी हालत बेहद खराब है,बच्चे खुले मैदान में पढ रहे है,जिन्हे बरसात होने पर बचाव नजर नही आता। स्कूल के जर्जर भवन के अन्दर प्रवेश पर रोक लगा कर संस्था प्रधान से बोल दिया कि भवन में बच्चों सहित कोई भी कर्मचारी व अभिभावक प्रवेश नही करे।

नवाचारों से संवरता भविष्य, राजस्थान बन रहा शिक्षा का पथप्रदर्शक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की क्रियान्विति के अनुरूप राजस्थान शैक्षिक उन्नित की दिशा में तेज़ी से अठासर हो रहा है। शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य में समठा शिक्षा अभियान के तहत राज्य में कई नवाचारी पहलें की गई हैं, जिन्होंने पारंपरिक शिक्षा पद्धित को प्रगतिशील स्वरूप प्रदान किया है। इन नवाचारों के चलते अब सीखने-सिखाने की प्रक्रिया केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रही बल्कि यह डिजिटल तकनीक, परियोजना आधारित अधिगम और कौशल विकास जैसे आधुनिक आयामों तक विस्तृत हो चुकी है। शिक्षा विभाग द्वारा की गई ये पहलें न केवल सराहनीय हैं बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और तकनीकी सशक्तता को भी नई दिशा दे रही हैं। समग्रशिक्षा अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों की विद्यालयों तक पहुंच सरल हुई है, अधिगम के परिणाम बेहतर हुए हैं और समावेशी विकास को बल मिला है। इस अभियान ने न केवल शिक्षा प्रणाली में बदलाव की गति को तेज किया है बल्कि राजकीय विद्यालयों में नामांकन दर में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। राज्य में शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर नवाचारों को अपनाकर एक व्यापक परिवर्तन लाया जा रहा है। अब ध्यान गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और कौशल आधारित शिक्षा प्रणाली को और अधिक उन्नत एवं प्रभावी बनाने पर केंद्रित है।

नवाचारों ने बढ़ाया राजकीय विद्यालयों का दायरा – शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे निरंतर नवाचारों का प्रभाव अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। राजकीय विद्यालयों में न केवल विद्यार्थियों का नामांकन तेजी से बढ़ रहा है, बल्कि परीक्षा परिणामों के स्तर पर भी इन विद्यालयों के विद्यार्थी निजी संस्थानों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। हाल ही में जारी हुए कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं के बोर्ड परिणाम इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। हजारों विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर राजकीय विद्यालयों की छवि को एक नई पहचान दी है। परिणामों में निरंतर सुधार देखा जा रहा है, जो पिछले वर्षों की तुलना में कहीं अधिक संतोषजनक और उत्साहवर्धक है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से चलाया जा रहा प्रवेशोत्सव अभियान भी राजकीय विद्यालयों में नामांकन दर में उल्लेखनीय वृद्धि का एक प्रमुख कारण बना है। अभिभावकों और विद्यार्थियों में इन विद्यालयों के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में समांतर रूप से सुधार हो रहा है। यही वजह है कि पिछले सत्र की तुलना में वर्तमान सत्र में करीब दोगुना नामांकन दर्ज किया गया है।

प्राथमिक शिक्षा को नई दिशा : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता और मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। इसी दिशा में शिक्षा विभाग द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं जिससे न केवल शिक्षा की बुनियाद मजबूत हो रही है बल्कि विद्यार्थियों में प्रारंभ से ही सीखने की सही समझ विकसित हो रही है। प्रदेश के 402 पीएमश्री विद्यालयों में पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं की शुरुआत की गई है जिससे तीन से छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सुनियोजित प्रारंभिक शिक्षा मिल रही है। साथ ही, स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल सीबीएसई अंठोजी माध्यम विद्यालयों में पहली बार प्राथमिक कक्षाएं प्रारंभ कर इन विद्यालयों को पूर्ण शैक्षिणक संस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है। कक्षा 1 से 5 तक के 1.15 लाख शिक्षकों को फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा ह, ताकि वे बच्चों को बेहतर भाषा और गणितीय कौशल प्रदान कर सकें। इसके अतिरिक्त, 45 हजार विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण (एबीएल) किट की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है जिससे पढ़ाई को रोचक, अनुभवात्मक और प्रभावी बनाया जा सके। ये प्रयास न केवल प्राथमिक शिक्षा को समृद्ध बना रहे हैं बल्कि भविष्य के नागरिकों की बौद्धिक नींव को भी सुदृढ़ कर रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफार्म ने शिक्षा को बनाया हाईटेक : शिक्षा के वैश्विक आदान-प्रदान और डिजिटल माध्यमों की पहुंच ने पारंपरिक सीमाओं को तोड़ते हुए सीखने-सिखाने की परिभाषा को ही बदल दिया है। स्मार्ट डिवाइस, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल टूल्स ने शिक्षा को न केवल अधिक सुलभ बल्कि प्रभावशाली और व्यक्तिगत भी बना दिया है। राजस्थान में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाए गए हैं। प्रदेश के 13,976 विद्यालयों में आईसीटी लैब और 17,421 स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना इस दिशा में एक मील का पत्थर है। इससे विद्यार्थी तकनीकी रूप से सशक्त शिक्षण वातावरण में सीखने का अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। डिजिटल शिक्षा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं के 55,000 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए हैं जिनमें 3 वर्षों का निःशुल्क इंटरनेट कनेक्शन भी शामिल है। यह कदम छात्रों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से दक्ष बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। शिक्षा गुणवत्ता में उन्नयन के लिए शिक्षा संकुल में हाल में विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) स्थापित किया गया है। इसमें डेटा, तकनीक एवं एआई के प्रयोग से विद्यार्थियों के परिणाम एवं समठा विकास का डेटा प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही, शाला दर्पण पोर्टल के माध्यम से विद्यालयों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का रियल टाइम डेटा उपलब्ध हो रहा है जिससे पारदर्शिता और प्रभावशीलता दोनों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। यह पोर्टल न केवल प्रशासनिक कार्यों को सरल बना रहा है बल्कि नीति निर्धारण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बालिका शिक्षा को दिया जा रहा प्रोत्साहन : राजस्थान सरकार और शिक्षा विभाग बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। शहरी क्षेत्रों से लेकर दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बहुआयामी योजनाएं लागू की जा रही हैं। प्रदेश में 342 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है, जो विशेष रूप से वंचित और पिछड़े वर्ग की बालिकाओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

डॉ.अमृता कटारा,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी,
डीआईपीआर,जयपुर, राजस्थान।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 30 जुलाई, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र रात्रि 9:53 तक, सिद्ध योग रात्रि 3:40 तक, कौलव करण दिन 1:44 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 9:53 तक, रवियोग और कुमार योग रात्रि 9:53 तक बने रहेंगे। राजयोग रात्रि 9:53 से सूर्योदय तक है। आज कल्की जयन्ती, श्रियाल छठ, वर्षा षष्ठी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:53 से 12:33 तक, चर 3:53 से 5:33 तक, लाभ 5:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:12

मेष
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सार-समाचार

कोटपा एक्ट के तहत चालान काटे

सीकर (निसं)। चिकित्सा विभाग के राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत सोमवार को सीकर शहर में कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया के निर्देशन मे टीम ने बस डिपो,पिपराली रोड, बजाज रोड, जनाना अस्पताल के सामने 25 से अधिक दुकानो पर जांच की तथा कोटपा एक्ट के तहत चालान बनाये गये। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह ने बताया की चिकित्सा विभाग की टीम ने सीकर शहर मे कोटपा एक्ट के तहत चालान कार्यवाही की और जिन दुकानदारो ने नाबालिगो को तम्बाकू उत्पाद बेचने सम्बन्धित सूचना प्रदर्शित नही कर रखी थी। उन दुकानदारों पर कोटपा अधिनियम के अन्तर्गत कार्रवाई की। दुकानदारों को तम्बाकू सम्बन्धित सभी नियमों का उचित रुप से पालन करने के निर्देश दिये गये। सभी दुकानदारों को चेतावनी बोर्ड आवश्यक रूप से लगाने के निर्देश दिये गये। दुकानदारो को बताया गया कि कोई भी दुकानदार किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पादों को प्रदर्शित नही करे एवं आवश्यक रूप से बोर्ड लगाये तथा 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू उत्पाद नही बेचे। कार्यवाही जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय शर्मा द्वारा की गयी।टीम में शिवसिंह शेखावत साथ रहे।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने बैठक ली

बीदासर (निसं)। ज्ञान ज्योति उच्च माध्यमिक शिक्षण संस्थान दड़ीबा में मंगलवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी किशन लाल गहनोलिया के नेतृत्व में ब्लॉक के समस्त निजी शिक्षण संस्थानों के संस्था प्रधानों की बैठक ली। बैठक में यू डाइस प्रभारी विरेंद्र यादव ने यू डाइस से संबंधित जानकारी प्रदान करते हुए सभी संस्थान प्रधानों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के समाधान हेतु उनके प्रश्नों का जवाब दिया। यूसीईईओ कैलाश मेघवाल ने ईको क्लब में अति शीघ्र रजिस्ट्रेशन करवाने को सभी संस्था प्रधानों को निर्देशित किया तत्पश्चात सीबीईओ गहनोलिया ने सभी संस्था प्रधानों को सभी कार्य समय पर करने को निर्देशित करते हुए कहा कि राजकीय और निजी विद्यालय एक दूसरे के पूरक है हम सभी को मिलकर कार्य करते हुए बीदासर ब्लॉक को रैंकिंग में श्रेष्ठ रखने का प्रयास करना है।

पौधारोपण किया

पाटन (निसं)। हरियालो राजस्थान'' अभियान के तहत आज एम.जी.जी.एस. हसामपुर के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्य जे. पी. यादव के कुशल मार्गदर्शन में श्री नृसिंह ग्रामीण गौशाला, हसामपुर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संदेश दिया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत हसामपुर के सरपंच प्रतिनिधि राकेश सिंह, गौशाला अध्यक्ष रोहिताश सिंह, बाबूलाल एवं महावीर प्रसाद विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय परिवार की इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरक कदम बताया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पौधों की महत्ता पर विचार व्यक्त किए और संकल्प लिया कि वे इन पौधों की देखभाल नियमित रूप से करेंगे। प्रधानाचार्य जे. पी. यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हमारी प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्य का प्रतीक है।

उप जिला अस्पताल का निरीक्षण किया

सीकर, (निसं)। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विशाल सिंह ने सोमवार को उप जिला अस्पताल अजीतगढ़ का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर, लैबर रूम, जननी वॉर्ड, सामान्य वार्ड, एनबीएसयू, टीकाकरण कक्ष, कोल्ड चैन डिपो, डेटा एंट्री, दवा भंडार, ओपीडी, इमरजेंसी रूम, एक्स-रे और लैब की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने दवाइयों के उचित संधारण, अस्पताल में छत की मरम्मत और रंगरोगन का कार्य और शौचालय को दुरूस्त करने के निर्देश पीएमओ डॉ अशोक कुमावत को दिए। इस पर पीएमओ डॉ अशोक कुमावत ने अवगत करवाया कि अस्पताल के मरम्मत और रंगरोगन कार्य के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग से तकमीना बनवा लिया है और उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर बजट की मांग की गई है। साथ ही अस्पताल में अन्य व्यवस्थाओं को दुरूस्त किया जाएगा।

गुड टच एवं बेड टच की जानकारी दी

रतनगढ़ (निसं)। आरयूआईडीपी, अधिषाशी अभियन्ता आर. डी गर्ग के निर्देशन मे वार्ड नं 17 में किशोरी जागरुता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आरयूआईडीपी जन सहभागिता इकाई के काजल सांखला व कविता स्वामी ने बालिकाओं को शारीरिक बदलाव के बारे मे जानकारी देते हुए बताया गया कि मासिक धर्म प्राकृतिक है इससे डरने की आवश्यकता नहीं है। मासिक धर्म के लक्षण व नेपकीन के प्रयोग व प्रयोग के बाद डिस्पोजल व व्यक्तिगत स्वच्छता बारे मे बताया गया। बालिकाओं को गुड टच व बेड टच के बारे मे जानकारी दी गई। कार्यक्रम मे कृष्ण लाल, महिला प्रशिक्षु अन्नु, किरण सैन, सुमन सोनी, सीमा शर्मा, अन्थम झाझडा सहित बालिकाओं ने भाग लिया।

अरबन को-ऑपरेटिव बैंक संचालक मंडल के चुनाव चार को

सीकर (निसं)। सीकर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड संचालक मंडल के चुनाव आगामी 4 अगस्त को कराए जाएंगे। बैंक निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया कि मंगलवार को नाम वापसी के पश्चात् महिला वर्ग से नीलिमा जोशी एवं अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) वर्ग में श्रवण कुमार मीणा निर्विरोध संचालक निर्वाचित घोषित किए गए हैं। राठौड ने जानकारी देते हुए बताया कि संचालक मंडल के शेष 9 पदों हेतु कुल 15 उम्मीदवार निर्वाचन लड़ने योग्य घोषित किए गए हैं। इनमें आठ सामान्य वर्ग एवं एक अनुसूचित जाति (एस.सी.) वर्ग से संचालकगण निर्वाचित होने हैं।

सुपरवाईजर एवं सुरक्षा जवान भर्ती आज से

सीकर (निसं)। जिला रोजगार अधिकारी राकेश चौधरी ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय सीकर में लीडर सिक्युरिटी प्रा. लि. जयपुर जयपुर द्वारा सुपरवाईजर एवं सुरक्षा जवान की भर्ती प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक आयोजित की जायेगी। उन्होंने बताया कि लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति में 30 जुलाई 2025, धोद में 31 जुलाई, दांतारामगढ़ में एक अगस्त, खण्डेला में 4 अगस्त, नीमकाथाना में 5 अगस्त, फतेहपुर में 6 अगस्त, नेछवा, पिपराली में 7 अगस्त, पाटन, श्रीमाधोपुर में 8 अगस्त को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक सुपरवाईजर एवं सुरक्षा जवान की भर्ती आयोजित की जायेगी।

फांसी लगाकर आत्महत्या की

रतनगढ़ (निसं)। तहसील के गांव पडिहारा में फांसी लगाकर 45 वर्षीय व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने चाचा की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बताया कोडाराम पुत्र नानूराम मेघवाल निवासी पड़िहारा ने रिपोर्ट दी कि 28 जुलाई की रात उसका 45 वर्षीय भतीजा पप्पुराम पुत्र केशाराम मेघवाल घर पर भोजन करके सोया गया था किसी समय उसने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पंचायत समिति धोद की बैठक आज

सीकर (निसं)। विकास अधिकारी पंचायत समिति धोद रश्मि मीणा ने बताया कि पंचायत समिति धोद की साधारण सभा की बैठक का आयोजन 30 जुलाई 2025 को प्रातः12.15 बजे पंचायत समिति धोद सभागार में प्रधान की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जायेगी।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ़ (राज)

क्रमांक -एफ.3/कृ.भू. / न.पा.रा./ 2025/998 दिनांकः 23/07/2025

आपति सूचना

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जा रहा है कृषि भूमि क्षत्रों में निम्नलिखित भूखण्डों का नियमन आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर किया जाना है। अतः नीचे अंकित किये गये नामों/रकबों के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर नगरपालिका के कमरा नं. 01 में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद गुजरने मियाद उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर नियमन कर पट्टा जारी कर दिया जायेगा। यदि उक्त सूची में दर्शाये गये क्षेत्र का पूर्व में नियमन कर पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। नगरपालिका किसी विवाद के लिए जिम्मेदार नही होगी। सूचित रहें।

क्र सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड सं.	साईज	भूखण्ड की प्रकृति	कालोनी का नाम	कालोनाईजर का नाम
1.	श्री कालूराम पुत्र श्री दुनीराम जाति जाट साकिन 4डीडब्ल्यूएम तहसील रावतसर	19	80×50	आवासीय	ग्रीन पार्क कालोनी 21-22 डीडब्ल्यूडी	स्वप्रेरित कार्यवाही
2.	श्री सोहनलाल पुत्र श्री खियाराम जाति जाट साकिन भैरूसरी	115	25×47'6''		पारीक कालोनी	

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रावतसर

फ्लैगशिप योजनाओं में प्रगति और संपर्क पोर्टल के प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने साप्ताहिक समीक्षा की बैठक ली।

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्र व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और संबंधित विभागों को मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने जर्जर विद्यालयों, आंगनबाडियों और अन्य सरकारी कार्यालयों को शत-प्रतिशत अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नगर परिषद द्वारा अग्रेषित ऋण स्वीकृति आवेदनों के माध्यम से अधिकतम जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाने हेतु अग्रणी जिला प्रबंधक को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी एवं आरएसआरडीसी को मानसून के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों, जैसे नेछवा, नानी की बीड़, राधाकिशनपुरा अंडरपास और बगिया तिराहा, में स्थायी साइनेज बोर्ड लगाने, जल निकासी के लिए मड पंप स्थापित करने और क्षितग्रस्त सड़कों की मरम्मत करने के निर्देश दिए। साथ ही, सीकर-सालासर रोड पर जलभराव की समस्या के समाधान के लिए आरएसआरडीसी और पीडब्ल्यूडी को संयुक्त कार्य योजना तैयार करने को कहा गया। भारी बारिश को देखते हुए सभी जलभराव वाले क्षेत्रों में साइनेज और अन्य सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने एवीवीएनएल को बिजली लाइनों को नियमानुसार उचित ऊंचाई पर स्थानांतरित करने, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने कहा कि राजस्थान संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि सुनिश्चित की जाए। बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), लाडो प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी व ग्रामीण) सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में सड़क सुरक्षा समिति के कार्यों की समीक्षा की गई और चिह्नित ब्लैक स्पॉट्स पर साइनेज व रंबल स्ट्रिप्स लगाने के निर्देश दिए गए ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, बीस सूत्री कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद राजपाल यादव, यूआईटी सचिव जेपी गौड़, सहायक निदेशक प्रशासनिक सुधार विभाग इंदिरा शर्मा, संयुक्त निदेशक डीओआईटी सत्यनारायण चौहान, अधीक्षण अभियंता विद्युत अरुण जोशी, पीडब्ल्यूडी के जेपी यादव, जलदाय विभाग के आरके राठी, आरटीओ वीरेंद्र सिंह राठौड सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नंदेश्वर महादेव मन्दिर में बर्फ से शिवलिंग का श्रृंगार किया

नंदेश्वर महादेव मन्दिर में बर्फ का शिवलिंग बनाकर विशेष पूजा-अर्चना कर आरती की गई।

चूरू (निसं)। शास्त्री मार्केट के पास स्थित नंदेश्वर महादेव मन्दिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के तीसरे सोमवार को बर्फ का शिवलिंग बनाकर विशेष पूजा-अर्चना कर आरती की गई। इससे पूर्व मंदिर परिसर का फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया।

इस दौरान भव्य रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें सांवरमल एण्ड पार्टी ने एक से बढ़कर एक भजनों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनों को देर रात तक बांधे रखा। इस अवसर पर सुरेन्द्रसिंह चौहान, श्रीप्रकाश राजोतिया, वेदप्रकाश राजोतिया, महावीर प्रसाद पंचारिया, दलीपसिंह चौहान, रविन्द्र सिंह चौहान, लक्ष्मीनारायण शर्मा, राजकुमार पंचारिया, रमाकान्त जांगिड, हरिप्रसाद जांगिड़, सुरेश औझा, चिरंजीलाल सोनी, महेश कुमार उपाध्याय, विजयकुमार शर्मा, पवन कुमार जांगिड़, एडवोकेट प्रद्युमन सिंह चौहान, सुभम स्वामी, कालू स्वामी, बबलू स्वामी, हेमेन्द्र सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

हेपेटाइटिस का टीका लगवाया

सीकर (निसं)। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सोमवार को विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके तहत चिकित्सा संस्थानों में आमजन को हेपेटाइटिस के बारे में जानकारी दी गई। वहीं चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों ने हेपेटाइटिस से बचाव के लिए टीका लगवाया।

सीएमएचओ डॉ अशोक महरिया ने बताया कि स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं देने वाले चिकित्सक, नर्सिंग स्टॉफ एवं स्वास्थ्य कर्मियों को हेपेटाइटिस-बी का टीका लगाया गया। यह टीकाकरण चरणबद्ध रूप से चलेगा। प्रत्येक चिकित्सा कर्मी को हेपेटाइटिस-बी की तीन डोज लगाई जाएगी।

आरसीएचओ डॉ विशाल सिंह ने बताया कि यह टीकाकरण स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए जरूरी है। हेपेटाइटिस बी एक संक्रामक रोग है, जो सुई चुभने से, संक्रमित रक्त या अन्य शरीर द्रव्यों के संपर्क में आने से फैलता है। चूंकि स्वास्थ्य कर्मी इस खतरे से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े होते हैं। इसलिए यह टीकाकरण उनकी सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। चिकित्सा कर्मियों को अभियान के तहत तीन खुराकें निर्धारित समय पर दी जाएगी।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस के पर सोमवार को श्री कल्याण मेडिकल कॉलेज में स्क्रीनिंग और वैक्सीनेशन जैसी कई गतिविधियां की गई। नोडल अधिकारी डॉ अनिल रणवां ने जीएनएम नर्सिंग विद्यार्थियों व स्टॉफ को हेपेटाइटिस की जानकारी दी।

इस दौरान एसके अस्पताल के अधीक्षक डॉ केके अग्रवाल, डॉ कैलाश जाट, माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट नीतु रानी, नर्सिंग कॉलेज के निरंजन आदि मौजूद रहे। विद्यार्थियों को इसके लक्षण, रोकथाम, परीक्षण व उपचार की भी जानकारी दी जाएगी।

कुलगुरु प्रो. अनिल राय ने शेखावाटी विवि के नवाचार बताए

सीकर (निसं)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की ओर से केरल में आयोजित राष्ट्रीय चिंतन बैठक में शिक्षा में भारतीयता, नीति निर्माण और ज्ञान परंपरा पर शिक्षाविदों ने गहन मंथन किया। बैठक का आयोजन आदि शंकराचार्य की जन्मभूमि आदि शंकरा निलयन, कोच्चि केरल में किया गया। इसके बाद 28 जुलाई को कोच्चि केरल स्थित अमृता विश्व विद्यापीठम में ''विकसित भारत के लिए शिक्षा'' विषय पर विशाल ज्ञान सभा हुई।

ज्ञान सभा के एक सत्र का संचालन पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अनिल कुमार राय ने किया। इस अवसर पर आरएसएस प्रमुख सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, डॉ. अतुल कोठारी, डॉ.पंकज मित्तल आदि मंच पर मौजूद थे। कुलगुरु प्रो. अनिल कुमार राय ने शेखावाटी विश्वविद्यालय में किए जा रहे नवाचारों और भावी योजनाओं की जानकारी देशभर से पधारे कुलपतियों और प्रबुद्धजनों को दी। उन्होंने अपने उद्बबोधन में शेखावाटी विवि में किए जा रहे सकारात्मक नव प्रयोगों का उल्लेख किया। कुलगुरु प्रो. राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के लिए टास्क फोर्स का गठित की गई, जिससे संपूर्ण यूजी और पीजी में एक साथ एनईपी लागू हो पाई। इसके माध्यम से चरित्र निर्माण-व्यक्तित्व विकास और कौशल से जुड़े पाठ्यक्रम पर जोर दिया गया। इसी तरह विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय एक अभिनव पहल वृद्ध वरदान योजना शुरू कर रहा है। इस योजना में शमिल होने वाले विद्यार्थियों को दो अकादमिक क्रेडिट प्रदान किए जाएंगे।

श्रीनाथ नगर गौशाला में इंटरलॉक सड़क का उद्घाटन किया

कस्बे की श्रीनाथ नगर गोशाला में जुगलकिशोर श्रीमाल परिवार के सहयोग से नव निर्मित इंटरलॉक सड़क का उद्घाटन किया गया।

राजलदेसर (निसं)। कस्बे की श्रीनाथ नगर गोशाला में जुगलकिशोर श्रीमाल परिवार के सहयोग से नव निर्मित इंटरलॉक सड़क का उद्घाटन मंगलवार देर शाम को किया गया। पांच लाख की लागत से इंटरलॉक सड़क बनने से गोशाला परिसर में आवागमन में सुविधा हुई है। पं. उमाशंकर दाधीच ने वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ पूजा अर्चना करवाई।

कार्यक्रम में जुगलकिशोर श्रीमाल, शांतिदेवी, करण श्रीमाल, हेतल श्रीमाल परिवार का साफा, माला व दुपट्टा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस मौके पर गोशाला समिति के सदस्यो ने भामाशाह परिवार के इस पुण्य कार्य की सराहना की। गोशाला के पूर्व मंत्री पवन बोथरा ने कहा कि इस प्रकार के सहयोग से न केवल सुविधाएं बढ़ती हैं, बल्कि समाज में सेवा भावना को भी प्रोत्साहन मिलता है। श्रीमाल परिवार का यह योगदान अन्य लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। इससे पूर्व श्रीमाल परिवार ने गौशाला में गौ आवास गृह का निर्माण भी कराया था एवं बागेश्वर बालाजी धाम की प्रेरणा से 200 गरीब कन्याओं की शादी में सहयोग भी प्रदान किया।

इस अवसर पर गोशाला कार्यकारी अध्यक्ष बजरंगलाल भाटिया, मंत्री भागीरथ पारीक, बालाजी धाम श्रीगंगानगर पुजारी राधेश्याम पांडे, राजकुमार बिनायकीया, खेमचंद बरडीया, पूनमचंद गर्ग, सहमंत्री पवन शर्मा, लालचंद पांडे, शंकर खडोलिया, दीनदयाल स्वामी, विनोद सैनी, कमल दाधीच, इंद्राज पांडे, पवन मारू, पूनमचंद सुथार, सीताराम गर्ग, प्रमोद नाई, मूलचंद सोनी रमेश पांडे ,शांति देवी, राजेंद्र शर्मा, मदन लाल शर्मा राजपुरोहित सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सार-समाचार

विकास कार्यों का लोकार्पण किया

सादुलपुर, (निसं)। जाहरवीर गोगापीर की जन्म स्थली ददरेवा में मंगलवार को ददरेवा सरपंच जाहिद कुरैशी की ओर से करवाए गए 4 करोड के विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ। जिसमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ व लोकसभा प्रत्याशी रहे पदमभूषण देवेन्द्र झाझडिया ने 4 करोड रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। शाम चार बजे दी जानकारी के अनुसार इस मौके पर राजेंद्र राठौड और देवेन्द्र झाझडिया का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर राजेंद्र राठौड ने कहा कि एक साल के अन्दर जो सरपंच जाहिद कुरैशी ने इतिहास रचा है ऐसे विकास के कार्य गांव में चलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार हर वर्ग की चिंता कर रही हैं। इस ददरेवा की धरती पर विकास का इतिहास लिखा जाएगा। राजस्थान सरकार द्वारा अगले बजट में ददरेवा में 15 करोड खर्च किए जाएंगे तथा ददरेवा को आगे बढाने में पूरी कोशिश करेंगे। पदमभूषण देवेन्द्र झाझडिया ने कहा कि आज ददरेवा की ऐतिहासिक भूमि पर आने का मौका मिला, इसलिए आज हम भाग्यशाली हैं कि पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड जैसे नेता हमारे चूरु जिले के हैं। आज ये चार करोड की लागत से उद्घाटन हुए है ये राजेंद्र राठौड की अनुशंसा पर हुआ है और ऐतिहासिक काम है। उन्होंने कहा हम सब को मिलकर ददरेवा गांव को प्लास्टिक मुक्त करना है। झाझडिया ने कहा कि आज में इस ऐतिहासिक जगह पर आया हूं तो में भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि किसानों की फसल अच्छी हो। ददरेवा सरपंच जाहिद कुरेशी ने कहा कि ददरेवा गांव के विकास में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठोड के किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जायेगी।

सी.एम. को ज्ञापन भेजा

सादुलपुर, (निसं)। झालावाड़ जिले के मनोहर थाना क्षेत्र के रा.उ.प्रा. विद्यालय पिपलोदी में विद्यालय भवन की छत गिरने से हुई हृदय विदारक दुर्घटना को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ अम्बेडकर शाखा राजगढ ने पांच सूत्री माँगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी राजगढ के मार्फत ज्ञापन भेजा गया। इसी दौरान उक्त तहसीलदार राजगढ धीरज झाझडियां को सौंपा गया। राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) ने दिये ज्ञापन में माँग की है कि पिपलोदी विद्यालय दुखांतिका पर संघ गहरी संवेदना व्यक्त करता है तथा ज्ञापन प्रेषित कर हादसे में मृतक विद्यार्थियों के परिजनों को 1-1 करोड रूपये तथा घायलों को समुचित आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए एवं परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाने, शिक्षकों पर एक तरफा निलम्बन कार्यवाही ना की जाकर, घटना की न्यायिक जांच करवाते हुए लापरवाही बरतने वाले दोषी अधिकारियों/भवन निर्माण संस्थाओं के विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाने, प्रदेश भर के सभी राजकीय विद्यालय भवनों की सुरक्षा की जांच करवाई जाए और भवन सुरक्षा प्रमाण पत्र सार्वजनिक निर्माण विभाग के तकनिकी अधिकारियों द्वारा जारी करवाया जाने, विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त कक्षा-कक्षों का निर्माण सुनिश्चित जाने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप राज्य के बजट का न्यूनतम 6 प्रतिशत शिक्षा क्षेत्र में खर्च किया जाने की माँगे की गई है।

मानसिक बीमार युवक ने आत्महत्या की

सादुलपुर, (निसं)। मानसिक रूप से बीमार एक युवक ने पेड से फांसी लगाकर आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान 44 वर्षीय राकेश कुमार निवासी वार्ड सात सादुलपुर के रूप में हुई है। मंगलवार दोपहर साढे बजे के करीब इस संबंध में थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि वार्ड नम्बर 7 निवासी राजेश कुमार ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसका छोटा भाई राकेश कुमार पिछले कई वर्षो से मानसिक बीमारी से जूझ रहा था और उसका इलाज बीकानेर के एक निजी चिकित्सालय में चल रहा था। सोमवार शाम लगभग 7.3० बजे जब राकेश घर से निकला और हिसार हाईवे के नजदीक निजी कॉलेज के पीछे रोही क्षेत्र में एक पेड से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में मंगलवार को उसका शव पेड से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलने पर राजगढ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मंगलवार को पुलिस ने मृतक युवक का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया तथा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उषा प्रजापत को पीएचडी की उपाधि

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस शहर ब्लॉक अध्यक्ष सीताराम प्रजापत सिद्धमुख की पुत्री उषा प्रजापत को पीएचडी की उपाधि मिली है। वहीं उषा प्रजापत को पीएचडी की उपाधि मिलने पर सिद्धमुख क्षेत्र एवं प्रजापत समाज में खुशी की लहर है। जेजेटी यूनिर्विसिटी झुन्झुनूं के रजिस्ट्रार डॉ. अजीत कुमार ने चूरू जिले की किशोर बालिकाओं में पोषण संबन्धि ज्ञान का आहार व स्वास्थ्य स्थिति पर प्रभाव का अध्ययन के चलते उषा प्रजापत को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। गौरतलब है कि उषा प्रजापत ने बीए चौधरी एमएस टांडी मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज सिद्धमुख, चूरू, बीएड चौधरी बीएड कॉलेज सादुलपुर, एमएससी होम सांईस एकेडीएल गवर्मेंट गर्ल्स कॉलेज रतनगढ, चूरू तथा पीएचडी होम साईंस श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टीबडेवाला युनिवर्सिटी चूरू रोड विद्यानगरी चूडेला झुन्झुनू से की है।

डॉ. प्रीती बसेर सहायक प्रोफेसर बनी

सादुलपुर, (निसं)। चूरू जिले की राजगढ़ तहसील के गांव मिठी रेडू की बेटी डॉ प्रीती बसेर पुत्री डॉ फूल सिंह बसेर का चयन सहायक प्रोफेसर (ए.पी.)में हुआ है। जिसको लेकर पूरे मिठी रेडू गांव में खुशी की लहर है। मंगलवार दोपहर दो बजे दी जानकारी में प्रीती बसेर के भाई प्रशांत ने बताया कि प्रारम्भिक शिक्षा गांव मिठी रेडू व बीआरजेडी भोरूग्राम में हुई। उसके बाद यूजी कृषि विश्वविद्यालय अकोला (महाराष्ट्र), पीजी (मास्टर डिग्री) इलाहबाद, पीएचडी जेन्टीक एण्ड प्लान्ट ब्रीडिंग में उदयपुर से उतीर्ण की। प्रीती बसेर को कृषि विश्वविद्यालय कोटा में चयन हुआ है।

MANAPPURAM FINANCE LTD.

CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.08.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुनः सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

चूरू, चूरू राजस्थान, 135110700011256, 1521, 135110730029559, 9587, 9885, 135110780000075, सरदार शहर, 135720700010543, 0655, 0736, 0765, 135720730027240, 7324, 7326, 7338, सुजानगढ, 135090700015074, 5178, 5180, 5315, 5440, 5461, 5496, 5514, 135090730057085, 7093, 7212, 8501, हनुमानगढ़, बाबा शाम सिंह कॉलोनी, 117270700059067, 9220, 9237, 9238, 9309, 117270730042151, 2543, 2546, 2800, 3085, 3262, 3667, 3673, 4068, 4186, 4217, 4219, 4239, 4278, 4280, 4366, 4528, 4676, 4680, बस स्टैंड गेट हनुमानगढ़, 117320700029911, 117320730021327, 1409, 1421, 1452, 1471, 1518, 1525, 1536, नोहर राजस्थान, 135640700028596, 8691, 8834, 9048, 135640730052998, 3768, 4412, 4473, 4549, 4591, 4606, 4614, 4624, 4723, 4746, 4803, पिलीबंगन, 135180700033459, 3652, 3700, 3859, 3867, 3905, 3911, 3920, 135180730029634, 9678, 135180730030091, 0109, 0245, 0420, 0557, 0611, नागपुर , लाडनूं, 137990700002869, 137990730020786, 0795, 0803, 0820, 0821, 0823, 0826, 0827, 1323, मकराना, 138030700004119, 138030730043020, 3053, 3135, तहसील चौक, 115510700021370, 1432, 115510730024881, 6105, विजय वल्लभ चौक नागौर, 138430730010595, 0974, 0992, 1021, श्रीमाधोपुर राजस्थान, 135520700010913, 1087, 135520730065489, 5655, 5733, 6537, 6540, 6543, 6544, 6545, 6617, 6667, 6668, 6682, 6688, 6701, 6736, 6740, 6782, 6841, 6862, सीकर, बजाज रोड सीकर, 111830700045370, 5429, 5539, 5544, 5717, 5721, 5744, 5749, 5787, 5803, 5810, 111830730087401, 8619, 8661, 8662, 8786, 8787, 8788, 8833, 8850, 8924, 8989, 9013, फतेहपुर राजस्थान, 135330700012412, 2514, 2521, 135330730036264, 6476, 6646, 6648, 6651, 6668, 6669, 6675, 6694, 6712, 6713, 6737, 6739, 6740, 6757, 6770, 6777,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

'लेडी ऑफ द लेक' रणथंभौर की रानी मछली (टी-16) को समर्पित स्मारक का वन मंत्री ने अनावरण किया

विश्व बाघ दिवस पर भारत की सबसे प्रतिष्ठित बाघिन को आधिकारिक श्रद्धांजलि

सवाई माधोपुर,। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को सवाईमाधोपुर के रण्थम्भौर टाइगर रिजर्व की गौरवशाली और विश्वविख्यात बाघिन मछली (टी-16) को चिरस्थायी स्मृति देने हेतु जोगी महल गेट रणथम्भौर पर भव्य स्मारक का अनावरण किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने सवाईमाधोपुर जिलेवासियों को विश्व टाइगर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रण्थम्भौर टाईगर रिजर्व सवाई माधोपुर की पहचान है तथा इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि रण्थम्भौर टाईगर रिजर्व क्षेत्र को आबाद करने में बाघिन मछली (टी-16) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि देश में टाईगर का यह द्वितीय स्मारक है। वन विभाग की ओर से यह स्मारक बाघिन मछली (टी-16) को सच्ची श्रद्धांजलि है। शावको के साथ यह स्मारक, न केवल उसकी महान विरासत को जीवंत करता है, बल्कि रणथंभौर भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों एवं त्रिनेत्र गणेश मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरणास्पद झलक भी प्रस्तुत करेगा। रणथम्भौर की सबसे प्रसिद्ध बाघिन मछली (टी-16) का जन्म, 1997 में हुआ। वह अपने चेहरे पर मछली जैसी आकृति के कारण यह नाम पाई और वर्षों तक पदम तालाब, राजबाग और मलिक तालाब जैसे झीलों वाले क्षेत्र पर नियंत्रण रखने के कारण लेडी ऑफ द लेक्स एवं एक विशाल मगरमच्छ को परास्त कर क्रोकोडाइल किलर भी कहलाई। मछली ने 5 बार शावकों को जन्म दिया और 2004-05 के शिकार संकट के समय रणथंभौर को पुनः आबाद किया। रणथंभौर की वर्तमान बाघ आबादी का एक बड़ा हिस्सा मछली के वंशजों से बना है, जिनमें सुंदरी (टी-17) और ऐरोहेड (टी-84) जैसे नाम शामिल हैं। मछली की ही संतान बाघिन एसटी-2 राजमाता ने अलवर के सरिस्का को आबाद किया। 2016 में लगभग 19 वर्षों की आयु में मछली का देहांत हुआ, जो किसी जंगली बाघिन के लिए अभूतपूर्व आयु मानी जाती है। बाघिन मछली के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री बन चुकी है व राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। वर्ष 2013 में भारत सरकार ने मछली पर स्मारक डाक टिकट जारी कर उसे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत 107 नवचयनित वन्यजीव गाइड्स को प्रशिक्षण समापन प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। वन्यजीव गाइड खुश बैरवा (विस्थापन श्रेणी) और उमेश सैनी (ईडीसी श्रेणी) को रणथंभौर संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लेकर हरियाली को जन आंदोलन बना रही है।

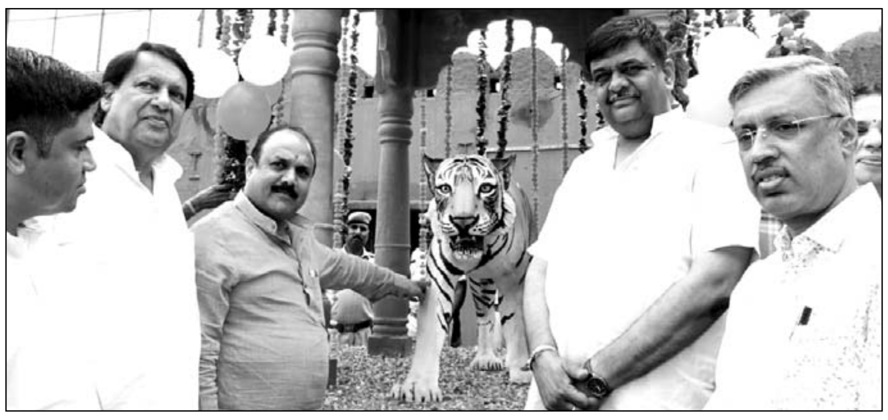

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रणथम्भौर में विश्वविख्यात बाघिन मछली (टी-16) को चिरस्थायी स्मृति देने के लिए स्मारक का अनावरण किया।

■ मछली ने 5 बार शावकों को जन्म दिया और 2004-05 के शिकार संकट के समय रणथंभौर को पुनः आबाद किया।

नीमकाथाना कोर्ट में पेश हुआ हार्डकोर अपराधी मनीष उर्फ बच्च्या, कोर्ट परिसर बना छावनी

राजू ठेठ हत्याकांड का मुख्य आरोपी है मनीष, कड़े पुलिस पहरे में तिहाड़ से लाया गया ।

पाटन (निसं)।राजस्थान के चर्चित राजू ठेठ हत्याकांड का मुख्य आरोपी और कुख्यात अपराधी मनीष उर्फ बच्च्या को मंगलवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नीमकाथाना कोर्ट में पेश किया गया।

मनीष का संबंध कुख्यात गैंगस्टरों आनंदपाल और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से बताया जा रहा है। कोर्ट में पेशी के दौरान परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। चारों ओर पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।पुलिस के अनुसार, मनीष उर्फ बच्च्या पर वर्ष 2018 में डकैती और जानलेवा हमले का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें वह लंबे समय से फरार चल रहा था। बाद में उसे गिरफ्तार कर पहले अजमेर जेल और फिर तिहाड़ जेल भेजा गया था। मंगलवार को इसी डकैती और हमले के केस में उसे नीमकाथाना कोर्ट में पेश किया गया।मनीष न केवल पुराने मामलों में वांछित रहा है, बल्कि वह सीकर जिले के बहुचर्चित राजू ठेठ हत्याकांड का भी मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा है। जांच के अनुसार, मनीष और उसके साथियों ने राजू ठेठ पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उसकी हत्या कर दी थी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था, जिसे विशेष पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया था।पुलिस सूत्रों का कहना है कि मनीष पर नीमकाथाना समेत प्रदेश के कई थानों में संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। उसकी गतिविधियों को लेकर पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

एक दिन में एक करोड़ की साइबर ठगी करने का अरोपी गिरफ्तार

अपराधियों के खिलाफ चलाया जा रहा है अभियान

करौली (निंसं.) महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज भरतपुर एवं पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल आईपीएस जिला करौली द्वारा साइबर अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन एंटी वायरस 2.0 के तहत गुमनाराम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय करौली के सुपरविजन में थानाधिकारी हरीराम मीणा आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक साइबर थाना करौली के द्वारा कार्यवाही की गई।

करोडो रूपये से अधिक की ठगी करने वाले साइबर ठग को साइबर थाना करौली के द्वारा की टीम द्वारा गुजरात के अहमदाबाद से दस्तयाब कर गिरफतार किया गया। साइबर थाने के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुस्तगीस से ई-कॉमर्स बूस्ट कम्पनी के नाम पर हुई 10,00000 लाख रूपये की साइबर ठगी मुलजिम द्वारा 4,33,040.00 रूपये आईएमपीएस के जरिये स्वयं के खाते में प्राप्त किये गये। मुलजिम के एक ही खाते पर भिन्न-भिन्न राज्यो से 23 साइबर ठगी की शिकायते दर्ज है पुलिस अधीक्षक लोके'ा सोनवाल आईपीएस जिला करौली द्वारा साइबर अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान ऑपरेषन एंटी वायरस 2.0 के तहत गुमनाराम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करौली के सुरपरविजन में थानाधिकारी हरीराम मीणा आरपीएस, अति0पु0अधीक्षक साइबर थाना करौली के नेतृत्व में टीम ने कार्यवाही करते हुये 26.जुलाई .को आरोपी धर्मेन्द्र चावडा हरीषभाई पुत्र हरीषभाई उम्र 40 साल जाति अहीर निवासी 36501 गीता अपार्टमेन्ट नियर बालकृष्ण मन्दिर रानिप, थाना रानिप जिला अहमदाबाद राज्य गुजरात हाल किरायेदार मकान न0 08 अरविन्द सोसाइटी गायत्री मन्दिर रोड रानिप थाना रानिप अहमदाबाद को प्रकरण संख्या 02ध्2025 धारा 318(4), 316 (2) 3 फरवरी को साइबर थाना करौली में गिरफतार किया गया। आरोपी द्वारा परिवादी से ई-कॉमर्स बूस्ट कम्पनी के नाम पर साइबर ठगी कर 4,33,040 रूपये आईएमपीएस के जरिये स्वयं के खाते में प्राप्त किये गये। उक्त मुलजिम को आज दिनांक 27.07.2025 को पे'ा न्यायालय किया जाकर जेल दाखिल कराया जा चुका है।

आरोपी के खाते पर मुस्तगीस सहित कुल 23 साइबर ठगी की शिकायते हैं जिनमें 33 लाख रूपये की साइबर ठगी करना सामने आया है आरोपी ने एक ही दिन में साइबर ठगी कर एक करोड रूपये से अधिक की राषि की अपने खाते में प्राप्त की है। जिस टीम मे साईबर थाना अधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिराम मीणा,नेत्रेष कुमार हैड कानि0 न0 84 साइवर थाना करौली, संदीप कानि0 1100 साइवर थाना करौली, गिरेन्द्र सिंह कानि0 1336 साइवर थाना करौली,विष्णु कुमार कानि0 1285 साइवर थाना करौली, रेनूषर्मा म0कानि0 274 साइवर थाना करौली उन्होने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी में थानाधिकारी रीडर रेनूषर्मा व संदीप की मुख्य भूमिका रही है।

स्कूलों का निरीक्षण किया : प्रतापगढ़ में अतिवृष्टि के कारण विद्यालयों भवनों की स्थिति को जानने के लिए जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कमलेश तेतरवाल ने मंगलवार को जिले के विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान ब्लॉक सुहागपुरा के राउमावि सुहागपुरा, राउमावि सोडलपुर का,ब्लॉक पीपलखूंट के राउप्रावि कुड़ापाड़ा प्रथम, राप्रावि उगमना पाड़ा, राप्रावि भोई फला का निरीक्षण किया।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

पूरक परीक्षा - 2025 हेतु सूचना

वर्ष 2025 की बोर्ड **पूरक परीक्षाएं दिनांक** 06.08.2025 से 08.08.2025 तक निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। जिसके प्रवेश पत्र तथा केन्द्र सामग्री बोर्ड की वेबसाईट **https://rajeduboard.rajasthan.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। प्रवेश पत्र, शुल्क व अन्य जानकारी विस्तृत रूप से बोर्ड की वेबसाईट पर उपलब्ध है। बोर्ड का कन्ट्रोल रूम दिनांक 01.08.2025 से 08.08.2025 तक प्रातः 07.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक कार्यरत रहेगा। दूरभाष नम्बर 0145-2632866, 2632867, 2632868 Email ID ddexamfirst@gmail.com सचिव

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय)
रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली

Mail ID- dcfb.kroli.forest@rajasthan.gov.in Phone No. 07464-297007
क्रमांक-एफ( )स्टोर/उवसं(द्वितीय)2025-26/ दिनांक-

Notice Inviting Bid

Bids for Construction of Forest Guard Choki under Range Kailadevi and Construction of Range Cum Resident Range Compus Range Karanpur are invited from interested bidders upto 6.00 PM Date 01.08.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procument portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state website. The approximate value of the procurements is 11.16/- Lacs and 22.77/- Lacs.
NIB CODE- FOR2526A0824, UBN CODE-FOR2526WSOB01043, FOR2526WSOB01044

(Hari Singh Hada)
Deputy Conservator of forest & Dy Field Director II
Ranthambhore Tiger Reserve Karauli
DIPR/C/10573/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड नोखा

क्रमांक-885-892 दिनांक-18.07.2025

Notice Inviting Bid-03/2025-26

Bids for various maintenance and road works are invited from interested bidders upto 21.07.2025 (09.30 AM) to 05.08.2025 (06.00 PM) other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in. & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 173.00 Lakh.
NIB CODE NO: PWD2526A2077, UBN- PWD2526WSOB07500

Executive Engineer
PWD Dn. Nokha
DIPR/C/10404/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड प्रथम, जयपुर
सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज.) फोन-0141-2229737
क्रमांक-993 दिनांक-17.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 33/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत "Upgradation of Cottage Ward (First Floor) at Jaipuria Hospital, Jaipur" कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.Org, www.sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthn.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN- 1. NRH2526WSOB00749

अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
खण्ड प्रथम, जयपुर
DIPR/C/10345/2025

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, जयपुर
क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 14)/2025/ई-12004

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-(ERCC/RCC 14)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 49 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.:mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेट फार्म प्रदाता कंपनी RailTel की वेबसाइट www.://rajminorrccerce.enivida.com पर उपलब्ध हैं।

(दीपक तंवर)
निदेशक
DIPR/C/10426/2025

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER P.W.D. CIRCLE DAUSA

क्रमांक-फा./निविदा/2025-26/1632-48 दिनांक-16.07.2025

Notice Inviting Bid 05/2025-26

Bids for Nit No. 05/2025-26, No. of 1 Roads works for Atal Path are invited from interested bidders upto Date 11.08.2025. Time 06.00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state, and-departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 124.51 Lacs.
NIB CODE: PWD2526A2043
UBN NO. PWD2526WSOB07345

(एम.एल. मीना)
अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त दौसा
DIPR/C/10326/2025

जर्जर चिकित्सा भवनों के प्रस्ताव मांगे

■ जिला प्रमुख की अध्यक्षता में स्थाई समितियों की बैठक आयोजित

■ बैठक में जिले में विद्यमान समस्त जर्जर

बांसवाड़ा, । जिला परिषद सभागार में जिला प्रमुख रेशम मालवीया की अध्यक्षता में स्थाई समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में विद्यमान समस्त जर्जर राजकीय विद्यालयों की स्थिति के बारे में बताया गया तथा उनके प्रस्ताव लेकर उन्हें गिराने तथा नवीन भवनों के निर्माण के लिए विभाग को प्रस्ताव भिजवाने के लिए निर्देशित किया गया।

चिकित्सा विभाग के अधिकारी को मौसमी बीमारियों की रोकथाम, जर्जर चिकित्सा भवनों के प्रस्ताव एवं चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा जहां पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं हों वहां डॉक्टर लगाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अलावा कृषि विभाग को हाईब्रीड बीज उपलब्ध करवाने तथा खाद की कालाबाजारी रोकन तथा समान दर पर वितरण करवाने के निर्देश दिए गये। बैठक में जनजाति विकास विभाग के छात्रावासों में गुणवत्तायुक्त भोजन सामठाी उपलब्ध करवाने तथा साफ-सफाई हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला परिषद की स्थाई समितियों के अध्यक्ष तथा सदस्यगण उपस्थित रहे।

पौधारोपण किया

नागौर। ग्राम पंचायत ऊंटवालिया में महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय भाकरी में हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पौधे लगाए गए । राजस्थान सरकार ने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत विद्यालयों को अधिकतम वृक्षारोपण का लक्ष्य दिया है जिसके अंतर्गत सभी बच्चों ने एक-एक पौधा लगाकर उसकी जिओ टेगिंग करने का संकल्प लिया। प्रधानाचार्य बाबू राम ने बताया कि विद्यालय में पौधारोपण के दौरान नागौर सीबीईओ कार्यालय के अधिकारी ओमप्रकाश मूंड भी मौजूद थे।

खतरे वाले कमरों में बच्चों को नहीं बैठाने के आदेश

किशनगढ़ बास। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने किशनगढ़ बास के गंज व बास कृपाल नगर में संचालित हो रहे राजकीय विद्यालय, संस्कृत विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय सहित आंगनबाडी केन्द्रों के भवनों का सुरक्षा की दृष्टि से अवलोकन कर स्थिति का जायजा लिया व मौके पर अधिकारियों को मरम्मत कराने व कमरों से बच्चों को शिफ्ट करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मनीष जाटव व पीडब्ल्यूडी अधिकारी साथ रहें। एसडीएम मनीष जाटव ने बताया कि झालावाड़ की स्कूल दुर्घटना के बाद प्रदेशभर में स्कूल भवनों की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

इसी क्रम में जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने मंगलवार को किशनगढ़ बास क्षेत्र के बास कृपाल नगर और गंज के विद्यालयों और आंगनबाडी केंद्रों का सघन निरीक्षण किया और सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पीएम श्री विद्यालय, बास कृपाल नगर के दो कमरों की छत की पट्टियां टूटी हुई पाई गईं।

राजस्थान सरकार
कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, करोली
क्रमांक-खअ/करौ/अवैध/2025/ दिनांक-17.07.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय द्वारा अवैध खनन/निर्गमन/भण्डारण की चैकिंग के दौरान जब्त किया गया खनिज सिलिका सेण्ड की नीलामी दिनांक 13.08.2025 को प्रात 11.00 बजे कार्यालय खनि अभियन्ता, करौली परिसर में की जावेगी। इच्छुक बोलीदाता नीलामी से पूर्व बयाना राशि एवं प्रतिभूति राशि का डी.डी. खनि अभियन्ता, करौली के पक्ष में कार्यालय में जमा कराकर बोली में भाग ले सकेंगे।

क्र. स.	सामग्री का नाम	भण्डारण स्थल	अनुमानित मात्रा	अनुमानित लागत मूल्य	बयाना राशि	अमानता राशि
1	खनिज सिलिका सैण्ड	खनन पट्टा संख्या 3/1990 निकट ग्राम सैमरदा तहसील व जिला करौली	1150 टन	12,65,000/-	25300/-	63250/-

नोट-नीलामी से संबंधित शर्तो एवं खनिज सिलिका सेण्ड के स्टॉक की जानकारी विभागीय वेबसाईट mines.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है एवं इस संबंध में जानकारी कार्यालय दिवस में कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।

(डी.एस. मीना)
खनि अभियन्ता करौली
DIPR/C/10300/2025

लाइट फिटिंग के तार चोरी करने वाला गिरफ्तार

■ वहीं कोतवाली पुलिस ने पुरानी अनाज मण्डी में हुई चोरी का 12 घंटे में ही किया खुलासा, आरोपी से किया माल बरामद

गंगापुर सिटी । पुलिस ने दो चोरी के मामले में बडी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देश पर थाना सदर गंगापुरसिटी की टीम ने जयपुर रोड स्थित गुप्ता नर्सिंग होम की निर्माणाधीन बिल्डिंग से लाइट फिटिंग के तारों के बंडल चुराने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में लेखराज सैनी, हेमराज सैनी, जीतराम सैनी और तेजराम सैनी शामिल हैं। सभी आरोपी उदई कला गांव के रहने वाले हैं। इस मामले में पहले ही एक आरोपी शेर सिंह सैनी को गिरफ्तार किया जा चुका था। घटना 24 मई 2०25 की रात को हुई थी। परिवादी मोहनलाल माली ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि देवनारायण मंदिर के सामने स्थित गुप्ता नर्सिंग होम की निर्माणाधीन इमारत से अज्ञात व्यक्तियों ने लाइट फिटिंग के तारों के बंडल चुरा लिए हैं। इस रिपोर्ट पर प्रकरण संख्या 1०6/25 धारा 331(4) 3०5(ए) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया था। इस कार्रवाई में थानाधिकारी बनीसिंह के नेतृत्व में सहायक उप-निरीक्षक रामबाबू और कॉन्स्टेबल राजमल, विशाल और संजीव की टीम शामिल थी। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा और वृत्ताधिकारी संतराम मीना के सुपरविजन में संपन्न हुई। वहीं दूसरी ओर पुरानी अनाज मण्डी में एक परिवार के घर का किवाड तोड कर चोर सोना चांदी के जेवर सहित नकदी चुरा कर ले गए जिस पर कोतवाली थानाधिकारी करण सिंह ने त्वरित कार्रवाही करते हुए घटना स्थल के आसपास के करीब 8० सीसीटीवी कैमरो को खंगाल कर आरोपी को पकडने में सफलात मिली। आरोपी ने पीडिता सोनल के यहां से सोने के जेवर व नकदी को चुरा कर ले गए। पीडिता अपने परिवार के साथ पर्ल होटल में सावन महोत्सव में शामिल होने के लिए गई थी। उसी समय पीछे से आरोपियो ने गेट तोड कर आलमारी में रखे आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीडिता जब घर पहुंची तो घर का सामान बिखरा हुआ देख कर उसके होश पुख्ता हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ले कर मामला दर्ज कर स्पेशल टीम का गठन किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगाला जिसमें एक युवक मकान में घुसते हुए व निकलते हुए दिखा। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार आरोपी को डिटेन कर जानकारी हासिल की तो आरोपी फब्बारा चौक हरिजन मोहल्ला निवासी काकू उर्प निर्मल हरिजन है जिसे पुलिस ने त्वरित कार्रवाही करते हुए घर से दबोचा।

युवाओं में तार्किक एवं रचनात्मक क्षमता विकसित करें : राज्यपाल

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे की अध्यक्षता में हुआ।

भरतपुर (निस)। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागडे की अध्यक्षता में बीडीए ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रहे।

राज्यपाल बाडगे ने कहा कि ज्ञान का परिदृश्य पूरे विश्व में तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के चलते विश्वभर में कुशल कामगारों की जरूरत और मांग बढेगी। युवाओं को तार्किक एवं रचनात्मक रूप से सोचते हुये विविध विषयों के बीच अर्न्तसंबंधों और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में बौद्धिक क्षमता के आंकलन की सुव्यवस्थित पद्धित होनी चाहिए जिससे युवाओं के कौशल एवं ज्ञान का पारदर्शिता से आंकलन हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक बीज की भांति है जो निरंतर जीवन को निखारने का कार्य करती है। जिस प्रकार बीज एक पेड़ बनकर समाज को ऑक्सीजन, फल, फूल, छाया, ईंधन आदि देने का कार्य करता है उसी प्रकार शिक्षा प्राप्त करने वाले को भी अपनी ज्ञान का उपयोग समाज को प्रगति में करना चाहिये। शिक्षा का उद्देश्य जीविकोपार्जन तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसका उपयोग समाज को दिशा देने एवं उत्थान के लिए होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति एवं पुरातन शिक्षा पद्धित विश्वभर में अठाणी रही है, उच्च शिक्षा के लिए गुरूकुल परम्परा शोध, अनुसंधान के साथ जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार होती थी। उन्होंने कहा कि विश्व विद्यालयों में हमारी पुरातन संस्कृति एवं शिक्षा को संरक्षित करते हुए शोध कार्य को प्रोत्साहन मिले इस दिशा में कार्य करना चाहिए। अनुसंधान नये ज्ञान का सृजन करता है इसे समाज के उत्थान में काम लेकर युवा देश के विकास में भागीदार बनें।

उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों को आव्हान किया कि शिक्षा को उन्मुक्त बनाकर अधिक से अधिक फैलाऐं, जितना विस्तार होगा युवाओं में उतना ही बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को हमारी संस्कृति एवं अनुसंधान पद्धित पर गर्व हो इसके लिए विश्वविद्यालयों को कार्य योजना बनाकर आगे बढने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि न्यूटन ने गुरूत्वाकर्षण का सिद्धांत 16 वीं सदी में दिया था जबकी भास्कराचार्य ने लीलावती ठांथ में काफी पहले ही सौरमंडल में गुरूत्वाकर्षण के बारे में बता दिया था। उन्होंने कहा कि जब विश्व में उच्च शिक्षा के लिए 6 विश्वविद्यालय हुआ करते थे उस समय भारत में दो विश्वविद्यालय नालंदा एवं तक्षिशला विद्यमान थे जिनमें विदेशी विद्यार्थी भी विद्या प्राप्त करने आते थे। उन्होंने कहा कि समारोह में बालिकाओं की संख्या अधिक है हर क्षेत्र में नारी शक्ति अपनी पहचान सिद्ध कर रही है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा.अभि.विभाग, वृत बारां
क्रमांक-अअ/वृत/बारां/2025-26/1230-37 दिनांक-17.07.2025

निविदा सूचना संख्या- 02 से 03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/कार्य के ठेकेदार तथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक, दूरसंचार, रेल्वे, सेना अभियांत्रिकी सेवा, अन्य राज्य सरकारों/केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/संगठनों के पास सूचीबद्ध ठेकेदार, जो कि राजस्थान सरकार के "एए" श्रेणी के समतुल्य है भी कार्यो के लिये निविदा हेतु नियमानुसार विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात निविदा हेतु पात्र होंगे, से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 21.07.2025 प्रात 10.00 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है। ऑनलाईन निविदाऐं इसी वेबसाईट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 21.07.2025 से 04.08.2025 सायं 18.00 बजे तक पलोड किये जा सकते है। वेबसाईट पर दिनांक 05.08.2025 को इस कार्यालय में दोपहर 15.00 बजे निविदा खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले दिन कार्यदिवस को उसी समय पर निविदा खोली जावेगी। निविदा शुल्क/प्रक्रिया शुल्क/धरोहर राशि निविदादाता द्वारा ईग्रास के माध्यम से चालान की प्रति इस कार्यालय में 05.08.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक जमा करवाना होगा। **विभाग में पंजिकृत स्थाई संवेदक/फर्म पंजीयन जीवित नहीं होने संवेदक/फर्म का पुनरावलोकन जीवित नहीं होने की स्थिति में निविदा मान्य नहीं होगी।**

उक्त निविदा एसपीपी पोर्टल पर प्रकाशित की जा चुकी है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते है-
1- http://www.eproc.rajasthan.gov.in 2- http://sppp.rajasthan.gov.in

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)	धरोहर राशि		निविदा/प्रक्रिया शुल्क (रूपये में)		कार्य पूर्ण करने की अवधि
			2%	0.50%	Tender Fees	RISL Fees	
02/2025-26	Supply of ISI Marked Alumina Ferric Gr-4 at UWSS Baran Dn Baran District BARAN **UBN NO.: PHE2526WSRC04713**	07.00	14,000/-	3500/-	500/-	500/-	06 माह
03/2025-26	Annual Rate Contract for Construction and Commissioning of 200 mm and 150 mm tube wells with Submersible pump sets etc. complete work in all types of strata including defect liability period of 02 year at various villages of PHED Division Chhabra. **UBN NO.: PHE2526WSRC04714**	121.00	2,42,000/-	60500/-	5000/-	2000/-	12 माह

"जल ही जीवन है"

(आलोक कुमार गुप्ता) अधीक्षण अभियंता
जन स्वा.अभि. विभाग, वृत बारां
DIPR/C/10329/2025

विधान सभा स्थापना का अमृत महोत्सव मनायेगी विधान सभा : देवनानी

'विधान सभा को लोकतंत्र का जीवन्त स्थल बनाने में सहभागी बने'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा अपनी स्थापना का अमृत महोत्सव मनायेगी। उन्होंने कहा कि विधान सभा गठन के 75वें वर्ष में प्रवेश के साथ अमृत महोत्सव के शुभारम्भ की रूप रेखा तैयार की जा रही है। देवनानी मंगलवार को यहां विधान सभा में तीन अधिकारियों के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

- **देवनानी से राजस्थान विधान सभा में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष राजीव बिंदल ने शिष्टाचार मुलाकात की**

देवनानी (दांये) ने सेवानिवृत्त होने वाले उप सचिव बनवारी लाल, सहायक सचिव नरेन्द्र कुमार और निजी सचिव पुरुषोत्तम शर्मा (बांये) को उनकी सेवा यात्रा के लिए सम्मानित किया।

देवनानी ने सेवानिवृत्त होने वाले उप सचिव बनवारी लाल मीणा, सहायक सचिव नरेन्द्र कुमार शर्मा और निजी सचिव पुरुषोत्तम शर्मा को उनकी सेवा यात्रा के लिए सम्मानित किया।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा प्रदेश की लोकतांत्रिक गरिमा का प्रतीक है। इसकी प्रतिष्ठा और प्रभावशीलता सभी कर्मियों के परिश्रम और निष्ठा से ही सुनिश्चित होती है। इस मौके पर विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोतम शर्मा, विधान सभा कर्मचारी सहकारी साख समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मंगलवार को यहां राजस्थान विधान सभा में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष राजीव बिंदल ने शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी ने बिंदल को राजस्थान विधान सभा का सदन और भवन का अवलोकन कराया।

पुलिस अकादमी में अंगदान का संकल्प लिया

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में ट्रेनी प्रशिक्षणार्थियों के लिए मोहन फाउंडेशन जयपुर सिटीजन फोरम की ओर से में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम मे अंगदान के संकल्प की अपील की।

- **ट्रेनी प्रशिक्षणार्थियों के लिए मोहन फाउंडेशन सिटीजन फोरम की ओर से जागरूकता कार्यक्रम मे अंगदान के संकल्प की अपील की**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंगदान - जीवन संजीवनी अभियान के अनुरूप सेमिनार के माध्यम से रवि कामरा , मुख्य वक्ता द्वारा अंगदान के संकल्प का संदेश दिया गया।

समन्वय भावना जगवानी द्वारा बताया गया कि अंगदान का प्रकल्प न सिर्फ सामाजिक बल्कि मानवता ,वैश्विक एवं देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण है। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति मृत्यु के पश्चात भी अंगदानकर 8 व्यक्तियों को जीवन दान दे सकता है।

अंगदान जागरूकता के लिए कार्य कर रही संस्था मोहन फाउंडेशन जयपुर सिटीजन फोरम की टीम एवं संस हॉस्पिटल से डॉ धर्मेश द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को अंगदान के लिए संकल्प की प्रक्रिया बताई गई। कार्यक्रम में अजय गुप्ता भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष 3 अगस्त को राष्ट्रीय अंगदान दिवस आयोजित किया जाता है। किंतु इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ ान पर इस बार एक दिवसीय आयोजन के स्थान पर वर्ष पर्यंत जागरूकता कार्यक्रम जारी रखने की सभी से अपेक्षा की गई है।

'काम के प्रति उदासीन अधिकारियों को चिन्हित करें'

जयपुर। शासन सचिव, पशुपालन, गोपालन एवं मत्स्य डॉ समित शर्मा ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणा की क्रियान्विति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को सक्रिय होकर काम करना होगा। डॉ शर्मा ने मंगलवार को पशुधन भवन के सभागार में आयोजित एक बैठक में काम के प्रति उदासीन अधिकारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा, अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना, डॉ प्रवीण सेन, डॉ विकास शर्मा, डॉ ओमप्रकाश बुनकर, वित्तीय सलाहकार मनोज शांडिल्य तथा निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित जिलों के लिए मनोनीत नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।बैठक में डॉ शर्मा ने कहा कि काम करने में आने वाली बाधाओं और समस्याओं दूर करते हुए ही काम में तेजी लानी होगी और इसके लिए शासन के स्तर पर पूरा सहयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत वर्ष 2024-25 के लक्ष्य को अगस्त तक पूरा कर एक सितंबर से वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा के अनुरूप नवीन पंजीकरण शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों के प्रभारियों को इस दिशा में अधिक प्रयास करते हुए लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाए।बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, सेक्स सॉर्टेड सीमन, एमवीयू कॉल सेंटर तथा चैटबॉट, उष्ट्र संरक्षण योजना, पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, नि:शुल्क आरोग्य योजना, नवीन पशु चिकित्सा केंद्रों के लिए भूमि की उपलब्धता, केपीआई आधारित प्रगति आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

पीएमकेंद्रीय विद्यालय के नए भवन का लोकार्पण

जयपुर/पाली। पीएमकेंद्रीय विद्यालय,पाली के नव-निर्मित भवन का विधिवत उद्घाटन पशुपालन, डेयरी व देवस्थान विभाग कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को किया। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सुकांता मजूमदार एवं केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी भी ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती मूर्ति पर दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने वर्चुअल माध्यम से भवन का लोकार्पण किया। समारोह में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यालय भवन का फीता काटकर उद्घाटन किया, उद्घाटन कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, देशभक्ति गीत और लोक नृत्य के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से देशभर के 15.76 लाख से अधिक परिवारों को मिला लाभ : सांसद मदन राठौड़

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में शुरू की ऐतिहासिक पहलः- सांसद मदन राठौड़**
- **योजना के अंतर्गत लाभार्थी परिवारों के घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल की स्थापना की जा रही है**

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अब तक देशभर में 15,76,860 परिवारों को लाभ प्राप्त हो चुका है। यह उपलब्धि 19 जुलाई 2025 तक की है, और यह भारत सरकार के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थी परिवारों के घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल की स्थापना की जा रही है, जिससे उन्हें न केवल मुफ्त बिजली प्राप्त हो रही है, बल्कि वे अतिरिक्त ऊर्जा का ग्रिड में योगदान भी कर पा रहे हैं। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में नवीन, नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने यह जानकारी सदन को दी।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौर ऊर्जा संरक्षण के लिए इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत फरवरी 2024 में की गई थी। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना तथा देश में सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करना है। इस योजना में पारदर्शिता रखते हुए पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया। इसमें आवेदन से लेकर सब्सिडी के वितरण तक का कार्य पर आनलाइन निगरानी भी रखी जा सकती है। ऊर्जा मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय पोर्टल..जारी किया गया है। इसके माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। सरकार की इस पहल से न केवल लाखों परिवारों को राहत मिली है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित हुआ है।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रति किलोवाट तक लाभार्थी को सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। इसमें एक किलोवाट पर 30 हजार, 2 किलोवाट पर 60 हजार और 3 किलोवाट तक 78 हजार तक की अधिकतम सब्सिडी का प्रावधान है। तीन किलोवाट के बाद 10 किलोवाट तक छह हजार की सब्सिडी मिल सकती है। इससे बिजली बिल से बड़ी बचत होती है और ग्रिड में अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी हो सकती है।

लूटपाट करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डिग्गी रोड टीलावाला गांव के आस पास फर्जी पुलिसकर्मी बनकर लूटपाट करने वाले गढ़ मण्डोरा जिला करौली निवासी मनीष शर्मा को बापर्दा गिरफ्तार किया गया। आरोपित मनीष व उसका साथी मोटरसाइकिल से डिग्गी रोड पर टीला वाला गांव के आस पास बाइक सवार युवकों को पुलिसकर्मी बताकर गिरफ्तारी का भय दिखाकर लूट की वारदात करते थे। आरोपित पिछले दो साल में करीब एक दर्जन वारदात करनी कबूली है ।

बिना अनुमति रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क का किया था इस्तेमाल, कोर्ट ने दिए कुर्क के आदेश

जयपुर। जयपुर महानगर द्वितीय की कमर्शियल कोर्ट-1 ने ट्रेडमार्क से जुड़े मामले में उदयपुर की लक्ष्य क्लासेज की संपत्तियों को कुर्क करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने यह आदेश मनु प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के एग्जिक्यूशन प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि लक्ष्य क्लासेज ने वादी के रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क का गलत तरीके से इस्तेमाल किया है। जबकि दोनों के बीच ट्रेडमार्क के इस्तेमाल को लेकर राजीनामा भी हुआ था। जिसकी कोर्ट ने 16 मई को तस्दीक कर डिक्री भी जारी की थी, लेकिन प्रतिवादी ने उसकी पालना नहीं की गई।

वादी के वकील शुभम अरोड़ा ने बताया कि मैसर्स मनु प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनीज एक्ट 1956 के तहत रजिस्टर्ड संस्था है। जो कई सालों से लक्ष्य और लक्ष्य ज्ञान अनंत ट्रेडमार्क से प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तक प्रकाशित कर रही है। प्रतिवादी मैसर्स लक्ष्य क्लासेज और लक्ष्य क्लासेज एडयूटेक प्राइवेट लिमिटेड, उदयपुर ने इसी नाम से ऑनलाइन व ऑफलाइन प्रतियोगी पुस्तकों की बिक्री शुरू कर दी। वादी की ओर से प्रतिवादी को कई बार सचेत करने के बाद दोनों के बीच राजीनामा हुआ कि प्रतिवादी लक्ष्य ट्रेडमार्क का इस्तेमाल नहीं करेगा। इसके बावजूद भी प्रतिवादी ऑफलाइन और ऑनलाइन लक्ष्य के नाम से किताब की बिक्री कर रहा है।

'ई-रिक्शा चालकों को नियम तोड़ना और जोन से निकलना अब पड़ेगा महंगा'

जयपुर। राजधानी जयपुर में ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। इस समस्या में सबसे बड़ी बाधा ई रिक्शा को माना जा रहा है। जयपुर के परकोटे, जयपुर रेलवे स्टेशन, सिंधी कैंप सहित शहर के कई इलाकों में पीक ऑवर्स में वाहनों की लंबी कतारें हर किसी को परेशान कर रही हैं। वहीं ट्रैफिक जाम को देखते हुए ई-रिक्शा चालकों की मनमानी पर पुलिस अब इस पर लगाम लगाने की तैयारी में है। इसके लिए एक कलर कोड का नियम बन रहा है। जिससे ई रिक्शा को सात जोन में बांटा जाएगा। हर जोन का एक अलग कलर कोड होगा। कोई चालक अपने जोन से बाहर ई रिक्शा ले जाएगा तो उसका चालान कटेगा।

- **ई रिक्शा पर जिस जोन का कलर कोड होगा. उसी में संचालित होगा. दूसरे जोन में ई रिक्शा चलाने पर चालान काटा जाएगा**

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (यातायात एवं प्रशासन) योगेश दाधीच ने बताया कि ई रिक्शा का संचालन शुरू करने के पीछे मंशा यह थी कि शहर के हर छोर तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके ताकि लोग शहर में कहीं से भी अपने घर तक पहुंच सके, लेकिन जिस ढंग से ई रिक्शा की संख्या बढ़ी है। वह ट्रैफिक जाम का बड़ा कारण बनती जा रही है। इससे सुगम यातायात में बाधा बन रही है।

उन्होंने बताया कि अब ई रिक्शा संचालन को विकेंद्रीकृत करने की कवायद की जा रही है. इसके तहत अलग-अलग जोन में कलर कोड के आधार पर ई रिक्शा का संचालन किया जाएगा। ई रिक्शा पर जिस जोन का कलर कोड होगा. उसी में संचालित होगा. दूसरे जोन में ई रिक्शा चलाने पर चालान काटा जाएगा। इससे यातायात में आ रही बाधा को भी दूर किया जा सकेगा. इसके लिए कानूनी व्यवस्था की गई है।

जयपुर में चालीस हजार से ज्यादा ई रिक्शा

दाधीच ने बताया कि अब सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की मदद से एक पोर्टल बनाया गया है। सभी ई रिक्शा इस एप में रजिस्टर्ड होंगे। इसके बाद सभी ई रिक्शा को विकेंद्रीकृत किया जाएगा। शहर में चालीस हजार से ज्यादा ई रिक्शा हैं। इन्हें सात जोन में बांटकर उनका संचालन किया जाएगा. उन्होंने बताया कि जो ई रिक्शा जिस जोन में रजिस्टर्ड होगा। कलर कोड के आधार पर उसी जोन में संचालित होगा। अपने जोन के अलावा कोई ई रिक्शा दूसरे जोन में नहीं जा पाएगा।

तकनीक के आधार पर होगी मॉनिटरिंग

इसकी तकनीक के आधार पर मॉनिटरिंग की जाएगी. कोई ई रिक्शा दूसरे जोन में संचालित होता है तो चालान किया जाएगा। दरअसल, शहर में कई जगहों पर चालक रात के समय भी हेडलाइट ऑफ कर ई रिक्शा चलाते हैं। इस पर भी लगाम लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि कई चालक बैटरी बचाने के लिए हेडलाइट बंद कर ई रिक्शा चलाते हैं। इससे हादसे होने का अंदेशा रहता है। ऐसे मामलों में चालान किए जाते हैं। अब ऐसे मामलों में भी सख्ती की जाएगी।

सहायक पुलिस उप निरीक्षक पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) की डूंगरपुर टीम ने कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना चौरासी जिला डूंगरपुर के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) जीवन लाल को परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी डूंगरपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके भाई व भतीजे को पुलिस थाना चौरासी (झौथरी) के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) जीवन लाल सहायक ने थाने में ले जाकर बंद कर दिया गया। परिवादी ने पुलिस थाना चौरासी पर जाकर सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) जीवनलाल उसके भाई व भतीजे को बंद क्यों किया है पूछा तो कहा 4 महीने पहले एक अन्य व्यक्ति व भतीजे ने लाबासा दौड़ में झगड़ा किया था। जिस पर परिवादी द्वारा अपने भाई को छोडने का कहाँ तो सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) ने कहाँ की अन्य व्यक्ति को लाओ और भाई को ले जाओ। जिस पर अन्य व्यक्ति को लाया व परिवादी के भाई को छोडा गया।जब परिवादी द्वारा अपने भतीजे व

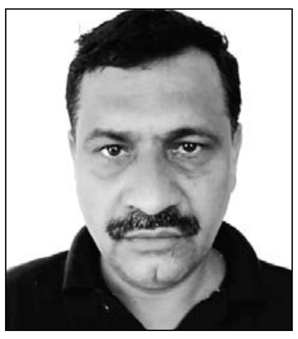

जीवन लाल पटेल

अन्य व्यक्ति को छोडने का कहाँ तो सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) की ओर से दस हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई। जिस पर रिश्वत मांग का सत्यापन हुआ। जिसमें सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) द्वारा परिवादी से तीन हजार रुपये रिश्वत ली गई व शेष सात हजार रुपये ग्रहण करने की सहमति देने की पुष्टि हुई।

जिस पर एसीबी की टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) जीवन लाल पटेल को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड कर रिश्वत राशि बरामद की गई।

जोगाराम पटेल जिलाध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों का करेंगे स्वागत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा सरकार की नीतियों, योजनाओं एवं निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भाजपा जयपुर जिले के सभी जिला एवं मंडल अध्यक्षों की बैठक बुधवार को आयोजित की गई है। लालकोठी स्थिति कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 30 जुलाई बुधवार सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों का स्वागत जिला प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एस.एस. अग्रवाल ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला स्तर पर प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी साझा करना, जयपुर जिले से संबंधित समसामयिक विषयों पर चर्चा करना एवं संगठन की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में सभी जिला एवं मंडल अध्यक्षों का स्वागत, सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी और जयपुर जिले के सम-सामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

बालिका स्कूल का विलय करने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने ब्यावर की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, देलवाडा का विलय स्थानीय स्कूल में करने पर मुख्य सचिव, प्रमुख शिक्षा सचिव, माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षा निदेशक सहित ब्यावर कलेक्टर से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश चाहत परिहार व अन्य छात्राओं की ओर से अपने परिजनों के जरिए याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, देलवाडा की छात्राएं हैं। राज्य सरकार ने गत 16 जनवरी को आदेश जारी कर इस स्कूल को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, देलवाडा में विलय कर दिया। बालिका स्कूल की प्रिंसिपल ने विभाग को इसका विलय निरस्त करने के लिए पत्र भी लिखा, लेकिन विभाग ने विलय निरस्त नहीं किया। याचिका में कहा गया कि यह स्कूल 1973 में प्राथमिक विद्यालय के तौर पर स्थापित हुआ था। वहीं बाद में इसे समय-समय पर क्रमोन्नत किया गया। वर्तमान में आसपास के पांच

- **'कई छात्राओं ने स्कूल छोडने का मन भी बना लिया है। ऐसे में स्कूल का विलय करने के आदेश को रद्द किया जाए'**

गांव की करीब तीन सौ छात्राएं यहां अध्ययन करती है। इसके अलावा यहां अलग से अन्य कोई बालिका विद्यालय भी नहीं है। विभाग की ओर से बालिका स्कूल के लिए 4.15 करोड़ की लागत से भवन भी बनाया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि केवल उन्हीं स्कूलों का विलय हो सकता है, जिनका नामांकन शून्य या काफी कम है। ऐसे में याचिकाकर्ताओं की स्कूल का विलय उचित नहीं है। स्कूल का विलय होने से छात्राओं को लडकों के साथ पढने के लिए बाध्य होना पड रहा है और कई छात्राओं ने स्कूल छोडने का मन भी बना लिया है। ऐसे में स्कूल का विलय करने के आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

असुरक्षित भवनों में कक्षा संचालन पर केबिनेट मंत्री ने तत्काल लगाई रोक

जयपुर/पाली। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक का प्रमुख बिंदु जिले में सरकारी भवनों, स्कूलों, चिकित्सा संस्थानों और सड़कों की

- **मंत्री जोराराम कुमावत ने जिले के जर्जर सरकारी भवनों की मांगी रिपोर्ट**
- **मंत्री जोराराम कुमावत नपीडब्लयूडी एक्सईएन को जमकर फटकारा**

खराब स्थिति था। बैठक में केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जर्जर और नकारा भवनों का उपयोग किसी भी स्थिति में न किया जाए। उन्होंने स्कूलों, छात्रावासों, आंगनबाड़ी केंद्रों के अंतर्गत असुरक्षित भवनों में कक्षा संचालन पर

मंत्री जोराराम कुमावत (बांये) ने मंगलवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

रोक लगाई। उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। साथ ही पीडब्ल्यूडी द्वारा पूर्व में नकारा घोषित भवनों को नियमानुसार तत्काल गिराने और नए प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। कुमावत ने प्रथम दृष्टि से की गई सर्वे को पीडब्ल्यूडी तकनीकी इंजीनियरों के साथ दोबारा जांच कर फाइनल रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने टीएडी छात्रावास, सामाजिक न्याय विभाग के छात्रावास, स्कूल, आंगनबाड़ी, चिकित्सा केंद्र और पशुपालन चिकित्सा केंद्रों सहित सभी विभागों से ब्लॉकवार जानकारी ली।

जोराराम कुमावत ने कहा कि जिन भवनों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है, उन पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए। जर्जर भवनों को कमेटी द्वारा प्रमाणित कर गिरवाने और क्षितग्रस्त भवन या क्षेत्र में किसी को प्रवेश न देने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि इन स्थानों पर सूचना चस्पा की जाए ताकि सभी को जानकारी मिल सके। उन्होंने पंचायती राज के अधिकारियों को उनके भवन व उनके अधीन स्कूलों की रिपेयरिंग हेतु निर्देशित किया।

छह आरोपितों को गिरफ्तार किया

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पढ़ाई के नाम पर छोटे बच्चों को बिहार से जयपुर लाकर उनको बालश्रम में धकेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गर्म लाख चूड़ी बनाने के कारखाने में काम करने वाले पन्द्रह बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। साथ ही छह आरोपितों को धर-दबोचा है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सिबिन राईटस एवं एएचटी) राजस्थान जयपुर की ओर से चलाए जा रहे अभियान उमंग-111 के अन्तर्गतभट्टा बस्ती थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक मकान में चल रहे चूड़ी बनाने कारखानों पर दबिश दी गई । जहां पर कारखाने में गर्म लाख की चूड़ी बनाते मिले पन्द्रह बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। मुक्त कराए बालश्रमिक बिहार के रहने वाले है। जिन्हें उनके गांव से झांसा देकर लाया गया और फिर जबरन गर्म लाख की चूड़ी बनाने का काम पर लगाने के साथ ही मकान से बाहर नहीं जाने दिया जाता और नहीं समय पर भोजन दिया जाता था। आरोपित छोटे अंधेरे कमरे मे जिसमे हवा भी नही पहुंच पा रही थी तथा बदबूदार वातावरण मे बच्चों से बालश्रम करवा रहा थे ।

तीन दिवसीय संगीत समारोह का समापन

जयपुर। संगीत आश्रम संस्थान की ओर से चल रहे तीन दिवसीय संगीत समारोह के आखिरी दिन मंगलवार को यहां संस्थान परिसर में अनेक बाल व युवा कलाकारों ने खुदा के नूर गायक मो.रफी के गाए सदाबहार सुरीले नगमों को अपनी पुरकशिश आवाज में पेश किए।

- **संगीत आश्रम संस्थान में गूंजे मो.रफी के तराने**

गिटारिस्ट वत्सल अनुपम के निर्देशन में सजे बहारों फूल बरसाओ...शीर्षक से कार्यक्रम में कलाकारों ने रफी के गाए भजन, रोमांटिक व दर्द भरे गीतों की माला पिरोई। कार्यक्रम में विमला शर्मा ने भई देर भई नंदलाला..., जयति कुमारी ने तेरी आंखें के सिवा दुनिया..., गीत शर्मा ने रिमझिम के गीत सावन..., कशिश कंवर ने मन रे तू काहे..., जगदीश जीनगर ने पत्थर के सनम..., हिमांशु वर्मा ने खोया-खोया चांद..., पुष्पेन्द्र सिंह ने लिखे जो खत..., सुमित्र अग्रवाल ने बहारों फूल बरसाओ..., प्रीति प्रधान ने तस्वीर तेरी दिल..., खुशबू कंवर व आदित्य सिंह ने दीवाना हुआ बादल..., सोनू सोनी ने गुलाबी तेरी आंखें..., सीनियर सिंगर ताराचंद जैन ने इस भरी दुनिया में..., भूमिका राठौर ने ढल गया दिन..., समन्विता सरकार ने अच्छा जी मैं हारी..., रीना सोनी ने झिलमिल सितारों का... जैसे गीतों को सुर, लय और ताल में दिलकश अंदाज में सुनाकर माहौल को रफीमय कर दिया। नीत खत्री, नीतेश, आलिया, नव्या, आराध्या और स्तुति ने गिटार पर चुरा लिया है दिल...व क्या हुआ तेरा वादा...जैसे गीतों की धुनें बजाईं।

राघव सोनी, आशिका, तनिष खंडेलवाल,मीशा और सृष्टि गोयल ने भी की-बोर्ड पर सदाबहार गीतों की पेश किया। इसी प्रकार निहाल कुमावत, अभिराम,मिष्का, प्रियंका सिंह, रियांशी अग्रवाल ने भी गीत सुनाए। गिटार पर वत्सल अनुपम व दिशा शर्मा, तबले पर वरुण जांगिड़, ऑक्टोपेड पर अनुपम निर्वाण और की-बोर्ड पर हबीब खान ने प्रभावी संगत की।

संचालन वीना अनुपम ने किया। अंत में संस्थान सचिव अमित अनुपम ने सभी आगन्तुकों का आभार जताया।

वरिष्ठजन संगीत प्रतियोगिता दो व तीन अगस्त को

जयपुर। संगीत के प्रति समर्पित सुपर 60 क्लब की ओर से संगीत के शौकीन वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित गायन प्रतियोगिता दिल से, फिर एक बार के ऑडिशन दो और तीन अगस्त को होंगे। देवरंजनी म्यूज़िक स्कूल के संयोजन में होने वाली इस प्रतियोगिता में 60 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष और महिलाएँ भाग ले रहे हैं। सभी प्रतिभागियों को ऑडिशन के लिए आमंत्रण पत्र भिजवा दिए गए हैं। ऑडिशन चित्रकूट स्थित देवरंजनी म्यूजिक स्कूल में दो पारियों में पूर्वाह्न 11.00 बजे सेअपराह्न 2.00 बजे तथा 3.00 बजे से 6.00 बजे तक होगा।

क्लब के प्रवक्ता प्रेम भारती ने बताया कि दिल से फिर एक बार संगीत प्रतियोगिता को लेकर प्रतिभागियों में ख़ासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस प्रतियोगिता में महिला और पुरुष वर्ग के लिए अलग-अलग प्रतियोगिता होगी जिसमें पुरुष वर्ग के विजेता को विंटेज किंग और महिला को विंटेज क्वीन का ख़िताब दिया जाएगा। दोनों वर्ग में द्वितीय और तृतीय पुरस्कार भी दिए जाएँगे देवरंजनी म्यूज़िक स्कूल की निदेशक सरिता द्विवेदी ने बताया कि प्रतियोगिता में केवल शौकिया तौर पर गाने वाले वरिष्ठजन ही हिस्सा ले रहे हैं।

करौली कलेक्टर ने चंबल ब्रिज का औचक निरीक्षण किया

चंबल ब्रिज पर चढ़कर पुल के नीचे से बहरे नदी के जलस्तर का जमीनी स्तर पर जायजा लिया

करौली। कोटा बैराज से जल छोड़ने के कारण चम्बल नदी में जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने सोमवार को मंडरायल के संभावित प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने मंडरायल के कैंमकच्छ, टोडी, मल्हापुर का दौरा किया साथ ही चंबल ब्रिज पर चढ़कर पुल के नीचे से बहरे नदी के जलस्तर का जमीनी स्तर पर जायजा लिया।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से सक्रिय रहकर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा यदि जलस्तर के बढ़ने से कोई आपदा की स्थिति उत्पन्न होती है तो समस्त विभाग उससे निपटने के लिए निर्धारित एडवाइजरी के अनुसार पूर्ण तैयारी रखना सुनिश्चित करें। रसद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, एसडीआरएफ, जिला परिषद सहित राजस्व विभाग के अधिकारी आपदा राहत एवं बचाव से संबंधित सभी आवश्यक संसाधन एवं उपकरण तैयार रखें जिससे आवश्यकता पड़ने पर उनका इस्तेमाल किया जा सके और बचाव राहत अभियान सकुशल चलाया जा सके।जिला कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि सपोटरा एवं मंडरायल के संभावित प्रभावित क्षेत्रों के अन्य गांवों की भी सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए जिससे किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित की जा सके और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हो और पशुधन को भी नुकसान नहीं पहुँचे।

करौली के निकट मंडरायल क्षेत्र मे बढ़ते पानी का निरीक्षण करते जिला कलेक्टर सहित संबधित विभागो के अधिकारी।

- **कोटा बैराज से जल छोड़ने के कारण चम्बल नदी में जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने मंडरायल के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।**

कुख्यात बदमाश सहित दो आरोपी गिरफ्तार

पावटा। शाहपुरा थाना पुलिस ने ज्वेलर्स की दुकान से धोखाधडी से सोने का मंगलसूत्र चोरी के मामले में शातिर ईरानी गैंग के कुख्यात बदमाश सहित दो आरोपियो को गिरफ्तार किया है।

जयपुर ग्रामीण जिला पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा डूडी ने बताया कि 22 जुलाई 2025 को परिवादी शुभम सोनी निवासी श्याम कॉलोनी कस्बा शाहपुरा जिला जयपुर ने पुलिस थाना शाहपुरा पर मामला दर्ज करवाया था कि हमारी मुख्य बाजार चौपड़ परिसर में स्थित हर्षित ज्वेलर्स की दुकान पर मेरे दादा मालचंद सोनी अकेले थे उस समय एक व्यक्ति दुकान में आकर मंगलसूत्र देखने लगा और मेरे दादाजी को बातों में लगा लिया तथा धोखे से उसने सोने का मंगलसूत्र अपने हाथों में छुपा कर चोरी कर फरार हो गया। परिवादी द्वारा दर्ज मामले को लेकर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। प्रकरण में अज्ञात मुल्जिमान की गिरफ्तारी व माल बरामद हेतु चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय रजनीश पूनिया तथा वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निकटतम सुपरविजन व शाहपुरा थानाधिकारी हेमराज के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा तकनीकी सहायता द्वारा कडी मेहनत करते हुए वारदात में काम में ली गई मोटरसाइकिल के नंबर प्राप्त कर वारदात करने वाले आरोपियों की पहचान की गई तो छबड़ा कोटा निवासी ईरानी गैंग का कुख्यात सरगना अहमद व उसके साथी मुस्लिम अली का वारदात में शामिल होना पाया गया। उक्त दोनों कुख्यात बदमाशों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तो पता चला कि अपराधी कभी कभार घर आते हैं तथा बाकी समय में पूरे हिंदुस्तान में घूम कर इसी तरह धोखाधड़ी से जेवरात व नकदी की चोरी की वारदात को अंजाम देते रहते हैं।साथ ही अपने मोबाइल नंबर भी समय-समय पर बदलते रहते हैं । आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु साइबर सेल टीम प्रभारी कमलेश हेड कांस्टेबल, ताराचंद कांस्टेबल, बाबूलाल कांस्टेबल की तकनीकी मदद ली गई व मुख्य सरगना अहमद पुत्र हुसैन उम्र 45 साल निवासी 73 नगर निगम के पीछे साजिदेहडा दादाबाडी कोटा को चांदनी चौक दिल्ली व उसके साथी मुस्लिम अली पुत्र नजीर अली उम्र 20 साल निवासी संजय कॉलोनी मामा होटल गली छबड़ा जिला बांरा को सवाई माधोपुर से डिटेल कर पूछताछ की तो दोनों ने वारदात करना स्वीकार किया। जिस पर दोनों आरोपियों अहमदव मुस्लिम अली को को गिरफ्तार किया जाकर आरोपियों की इतला पर वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सवाई माधोपुर से बरामद कर जप्त की। वही प्रकरण में चुराया गया सोने के मंगलसूत्र को बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

बरसात बनी मुसीबत, सड़कों पर भरा पानी

भरतपुर (निस)। भरतपुर में हुई हालिया बरसात ने जहां लोगों को गर्मी से कुछ राहत दी, वहीं दूसरी ओर शहर की बदहाल व्यवस्थाएं एक बार फिर उजागर हो गईं। सड़कों पर जगह-जगह जलभराव से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीएम आवास के पास स्थित जवाहर कॉलोनी की हालत सबसे बदतर है। यहां पानी निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं होने से कॉलोनी के कई घरों में बारिश का पानी घुस गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि छात्र-छात्राओं से लेकर राहगीरों तक को सड़क पर भरे पानी से होकर गुजरना पड रहा है, जिससे उनकी दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो रही है। स्थानीय निवासी सोमेन्द्र गोपालिया ने बताया कि जिला प्रशासन को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। प्रशासन की इस अनदेखी को लेकर क्षेत्र में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की परेशानी से उन्हें दो-चार न होना पड़े।

- **सड़कों पर जगह-जगह जलभराव से आमजन को भारी परेशानी**

भरतपुर में सड़कों पर पानी भरने से राहगीरों को आवाजाही में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

एक हॉल में आठ कक्षाएं, छत पर टीनशेड के नीचे पढ़ रहे बच्चे

बीकानेर। झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद जैसलमेर के सरकारी स्कूल में मुख्यद्वार का जर्जर खंभा गिरने से एक छात्र की मौत हो गई। वहीं एक शिक्षक घायल हो गया है।

दरअसल, जर्जर और क्षतिग्रस्त स्कूलों में बारिश के मौसम में ऐसे प्रकरण रोजाना सामने आ रहे हैं। बीकानेर के एमएम स्कूल में 26 जुलाई को जर्जर दीवार गिर गई थी। उधर, राज्य सरकार की ओर से दिए गए आदेशों के तहत राज्य भर के सरकारी स्कूलों का प्रशासन और शिक्षा विभाग की ओर से पिछले दो दिनों से सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं।

गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कहीं झोपड़े में तो कहीं बिना कमरों के भवन में आठवीं तक के स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। अनेक सरकारी स्कूल सर्वे में ऐसे सामने आए हैं जहां विद्याथिर्यों के बैठने के लिए पर्याप्त कक्षा – कक्ष ही नहीं है। बिल्डिंग जर्जर है। कमरों का प्लास्टर उतर चुका है। पट्टियों में दरारें हैं। झालावाड़ की घटना के बाद ऐसे क्षतिग्रस्त स्कूलों का सर्वे किया। सामने आया कि 6 महीने पहले राजकीय पाबू पाठशाला स्कूल भवन में छठी से 12वीं के राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका स्कूल आर्य समाज को मर्ज किया गया। लेकिन पाबूपाठशाला स्कूल बिल्डिंग के 6 कमरों में से तीन कमरे क्षतिग्रस्त हैं।

किराए की बिल्डिंग में चले रहे राउमावि भुट्टो का बास स्कूल को 2023 में 8वीं से 12वीं में क्रमोन्नत किया गया। स्कूल में केवल चार ही कमरे हैं। अपग्रेड होने के कारण पहली से सातवीं कक्षा की पढ़ाई छत पर करवाई जा रही है। जबकि 9वीं और 10वीं के छात्र कमरों में पढ़ रहे हैं। किराए की बिल्डिंग होने के कारण पिछले दो साल से मरम्मत भी नहीं हुई है। रानी बाजार स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल बंगाली मंदिर परिसर में सिर्फ एक कमरा है। जिसमें संस्था प्रधान का दफ्तर है। पहली से 8वीं की कक्षाएं एक हॉल में एक साथ लग रही है। बच्चों के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होने से स्कूल का नामांकन भी घट गया है। वर्तमान में स्कूल में केवल 75 बच्चे ही अध्यनरत हैं।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पर आवश्यक निर्देश

प्रतापगढ़। जिला कलक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया की अध्यक्षता में मंगलवार को विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक एवं आगामी स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि बारिश के मौसम को देखते हुए उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, सीडीईओ, सीडीपीओ सहित सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि वे जर्जर भवनों को चिन्हित कर प्रस्ताव प्रेषित करें तथा आवश्यकता पड़ने पर भवनों की शिफ्टिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्देश की पालना प्राथमिकता से की जाए। जिला प्रशासन आमजन की सुरक्षा एवं हितों को लेकर पूर्णतः प्रतिबद्ध है, इसमें कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय स्तर पर जो कार्य संभव है उसे प्राथमिकता से करें तथा अन्य कार्यों के लिए संबंधित स्तर पर नियमानुसार अवगत करवाएं।

जिला कलक्टर ने सभी राजकीय कार्यालयों के भवनों का अवलोकन करने और भवनों की छतों पर झाड़ियां या घास पाई जाती है तो उसे तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए। नगर परिषद आयुक्त को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि शहर में यदि कोई जर्जर भवन है तो उसे भी चिन्हित कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर जिला कलक्टर ने संपूर्णता अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए सम्बंधित अधिकारियों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि संपूर्णता अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर जिला कलक्टर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आगे भी इसी प्रकार टीम भावना और समर्पण के साथ कार्य करते करें।

सरदार पटेल जयंती पर राजकीय अवकाश के लिए बात रखूंगा : मंत्री जोगाराम पटेल

राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना का प्रतिनिधिमंडल क़ानून मंत्री से मिला, आरक्षण पर चर्चा की

डूंगरपुर। श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना का प्रतिनिधिमंडल राजस्थान सरकार के विधि एवं संसदीय कानून मंत्री जोगाराम पटेल से उनके राजकीय निवास पर मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने क़ानून मंत्री को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की तस्वीर भेंट कर उनका सम्मान किया। क़ानून मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि श्री सरदार पटेल सेना लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्श विचारों को प्रदेश भर में पहुँचाने का कार्य कर रही है। 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर राजकीय अवकाश को लेकर सरकार में चर्चा करेंगे प्राथमिकता से बात रखूंगा। कवि सुनील पटेल सन्नाटा नेजपुर ने कहा कि राजस्थान के सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्री जोगाराम पटेल से मिलकर युवाओं में ख़ुशी है। मंत्री पटेल को वागड़-मेवाड़ आने का न्यौता दिया। श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र डांगी धताणा ने कहा कि क्षेत्र में वर्ग को आरक्षण का लाभ मिलें। वर्ग को आरक्षण देना सबसे बड़ा मास्टर स्टॉक होगा। इस बीच संगठन प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद पाटीदार मसोटिया, जिला संयोजक बांसवाड़ा जगदीश पाटीदार चौखला, डूंगरपुर जिला अध्यक्ष इंडियालाल पाटीदार, विक्रम भाई, ललित भाई, हिमांशु पाटीदार, अमरजी भाई, वाजेंग पाटीदार सामागढ़ा, भगवान पाटीदार घाटोल, मानसिंह पटेल सियापुर, मुकेश पाटीदार भचड़िया, दिलीप पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

- **कवि सुनील पटेल सन्नाटा नेजपुर ने कहा कि राजस्थान के सर्वाधिक लोकप्रिय मंत्री जोगाराम पटेल से मिलकर युवाओं में ख़ुशी है। मंत्री पटेल को वागड़-मेवाड़ आने का न्यौता दिया।**
- **श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र डांगी धताणा ने कहा कि क्षेत्र में वर्ग को आरक्षण का लाभ मिलें। वर्ग को आरक्षण देना सबसे बड़ा मास्टर स्टॉक होगा।**

बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा

गंगापुर सिटी। उपखण्ड मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। पिछले दो दिनों से बारिश का मौसम बना हुआ है। मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे के बाद बारिश शुरू हुई जो आधे घंटे तक चली।

बारिश के सडको पर पानीबह निकला। इसके बाद बारिश कुछ देर के लिए थम सी गई एवं जिसके बाद शाम 4 बजे तक रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। सोमवार रात को भी रुक-रुककर कभी धीमी और कभी तेज गति से बारिश होती रही। मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और रिमझिम फुहारें आती रहीं। सुबह 11 बजे और फिर दोपहर 12:30 बजे के बाद बादल छाने के साथ बारिश तेज हो गई। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई। मंगलवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। बारिश के दौरान आसमान में बिजलियां कडकती रहीं और बादलों की गर्जना भी होती रही।

तहसील सूत्रों के अनुसार, अब तक गंगापुर सिटी में 494 मिमी, वजीरपुर में 419 मिमी और तलावडा में 649 मिमी बारिश दर्ज की गई है। बारिश के बाद सडकों पर पानी बह निकला। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

- **कई दिन की गर्मी व उमस से मिली लोगो को राहत**
- **बारिश के दौरान बिजलियां कडकती रहीं और बादलों की गर्जना भी होती रही।**

कोटा की डॉ.निधि ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, डिप्टी सीएम ने सम्मानित किया

कोटा, (निसं)। कोटा की बेटी डॉ.निधि प्रजापति ने वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। डॉ. निधि ने 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के दिन 100 किलोमीटर साइकिल चलाकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया।

सोमवार को इसके लिए राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने जयपुर सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास पर सम्मानित किया। डिप्टी सीएम ने डॉ.निधि को वर्ल्ड रिकॉर्ड का गोल्ड मेडल पहनाया, सर्टिफिकेट सौंपा और हौसला बढ़ाया। विश्व एड्स दिवस के दिन आज तक ऐसा वर्ल्ड रिकॉर्ड नहीं बना, जो डॉ. निधि ने बनाया है।

नेशनल यूथ अवार्डी और सोसाइटी हैज ईव शी इंटरनेशनल चौरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ.निधि ने एड्स के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए 100 किलोमीटर साईकिल चलाई। बेटी निधि ने कोटा शहर के नयानोहरा से साइकिल स्टार्ट की ओर लोगों को एड्स के प्रति जगह-जगह जागरूक करते हुए नेशनल हाइवे-27 के धनेश्वर टोल प्लाजा तक अप-डाउन साईकिल चलाई। बीच रास्ते में मिले कहीं ग्रामीणों को वाहन चालकों को एड्स के बारे में जागरूक किया, और लोगों में जो भ्रांतियां थी उन्हें भी दूर किया।

डिप्टी सीएम ने कहा डॉ.निधि ने किया प्रदेश का नाम रोशन-सरकारी आवास मौजूद प्रदेशभर से आए मेहमानों के बीच उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नेशनल यूथ अवार्डी डॉ. निधि के कीर्तिमान की खूब प्रशंसा की, कहां बेटी डॉ.निधि ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। राजस्थान की एजुकेशन सिटी कोटा से वह आती है। बचपन से उन्होंने लोगों को जागरूक करने का काम किया है। विश्व एड्स दिवस के दिन 100 किलोमीटर साइकिल चलाई, ग्रामीणों को जागरूक किया। प्रदेश की बेटियां डॉ.निधि की तरह आगे बढ़ती रहे।

डिप्टी सीएम ने कहा प्रदेश की और भी बेटियों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए काम रहना चाहिए, ऐसा करने से लोग प्रेरित होते हैं।

डॉ. निधि ने उप मुख्यमंत्री से हुई चर्चा में बताया कि रास्ते में उन्होंने मिलने वाले राहगीरों को चाहे वह शहरी थे या ग्रामीण सबको एड्स के बारे में जागरूक करते उनके रिबन लगाया। यह साईकिल यात्रा सुबह 6 बजकर 30 मिनट से स्वयं के आवास महालक्ष्मीपुरम बारां रोड़ से शुरु की थी। नेशनल हाईवे 27 से होते हुए धाकड़खेड़ी बाईपास, हैंगिंग ब्रिज, गरड़िया महादेव बाईपास से धनेश्वर टोल प्लाजा तक व वहां से इसी मार्ग से वापसी करते हुए 5 घंटे 10 में 100 किलोमीटर की यात्रा पूरी की थी।

आज तक पूरे विश्व में किसी ने भी अकेले एड्स जैसे गंभीर विषय पर इतनी लम्बी साईकिल यात्रा एड्स जागरूकता दिवस के दिन नहीं की है। डॉ.निधि के कीर्तिमान के बारे में जानकर उपमुख्यमंत्री के आवास पर मौजूद तमाम प्रदेशभर के मेहमानों ने बेटी निधि को बधाई और शुभकामनाएं दी।

- **कोटा नया नोहरा से धनेश्वर टोल प्लाजा तक अप-डाउन 100 किलोमीटर साइकिल चलाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड**

कोटा की डॉ.निधि के वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने उन्हें सम्मानित किया है।

डॉक्टर से मांगी 25 लाख की रंगदारी

बीकानेर। जस्सूसर गेट पर प्रेक्टिस करने वाले शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम अग्रवाल से 25 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। इसके साथ ही हर महीने एक लाख रुपए की बंदी देने का दबाव बनाया गया है।

डॉ. अग्रवाल ने इस बारे में नयाशहर थाने में मामला दर्ज कराया है। इसके साथ ही एक प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर रंगदारी मांगने वालों पर कार्रवाई की मांग की। एफआईआर में कहा गया है कि रात करीब पौने दो बजे मोहल्ले का रहने वाला विष्णु साध, अभिषेक पंवार व अन्य कुछ शरारती तत्व ने आकर मेरे से 25 लाख रुपए देने व हर माह एक लाख की बंदी देने की मांग की है। 25 लाख रुपए और बंदी नही देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद चैंबर में आकर दोबारा देख लेने की धमकी दी गई। डॉ. अग्रवाल ने दावा किया है कि उनके पास सीसीटीवी फुटेज व ऑडियो-वीडियो किलप सुरक्षित है। इसके बाद सोमवार को डॉक्टर्स के एक प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर से मुलाकात की। इस पर एसपी ने थानाधिकारी विक्रम तिवारी को इस बारे में दिशा निर्देश दिए। मामला दर्ज करके जांच हेड कॉन्स्टेबल पांचाराम को सौंपी गई है। इससे पहले फाइनेंशियल काम करने वाले पीयूष शंगारी को धमकी दी गई थी।

- **एक लाख रुपए की बंधी का दबाव; सीसीटीवी फुटेज और ऑडियो भी उपलब्ध**

कथावाचक मामला : भाजपा की जांच कमेटी ने बंद कमरे में मंथन किया

जालोर में कथावाचक अभयदास के मामले की जांच कमेटी के सदस्य सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ व पोकरण विधायक प्रतापपुरी महाराज भैंरूनाथ अखाड़ा पहुंचे।

जालोर, (कासं)। जालोर जिला मुख्यालय पर गत कई दिनों से कथावाचक अभयदास के जालोर में कथा व चातुर्मास करने की जिद के चलते मामला गर्माया हुआ है।

कथावाचक के मामले को लेकर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने तीन सदस्य कमेटी का गठन किया। जिसमें सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ व पोकरण विधायक प्रतापपुरी महाराज मंगलवार को जालोर पहुंचे तथा आयोजन कमेटी, भैरुनाथ अखाडा, जिला प्रशासन व पुलिस एवं कथावाचक अभयदास से बंद कमरे में गुप्त मंत्रणा की। जांच रिपोर्ट प्रदेशाध्यक्ष को सौपेंगे। इसके बाद कथावाचक के जालोर में चातुर्मास व कथा करने को लेकर निर्णय सरकार द्वारा लिया जायेगा।

जालोर में कथावाचक अभयदास के जालोर में श्रीमद भागवत कथा के बाद बायोसा मंदिर दर्शन करने जाने पर पास स्थित मजार को लेकर विवादित बयान दिया था तथा इसके बाद अपने सभी भक्तो के साथ बायोसा मंदिर के दर्शन करने की जिद के चलते पुलिस व प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए कथावाचक को भक्तों के जाने से रोका गया। इसके बाद कथावाचक द्वारा अपने एक भक्त के घर आमरण अनशन करने पर केबीनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने पहुंचकर कथावाचक का अनशन तुडवाया और बायोसा मंदिर के दर्शन भी करवाया। आयोजन कमेटी ने कथा को स्थगित कर कथावाचक को उनके आश्रम तखतगढ पहुंचा दिया था, लेकिन इसके बाद कथावाचक जालोर में ही कथा व चातुर्मास करने की जिद करने लगे। जिसके चलते कथावाचक के लिए खासकर महिलाओं के आगे आने पर कथावाचक दुगुना जोश के साथ जालोर आने की बात करना लगा, लेकिन प्रशासन द्वारा कथावाचक को कथा की अनुमति नहीं देने से मामला कई दिनों से तूल पकड़े रहा। मामला प्रदेश स्तर पर पहुंचने पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने तीन सदस्यो की जांच कमेटी बनाई, जिसमें सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ व पोकरण विधायक प्रतापपुरी महाराज को शामिल किया गया।

आतंकवाद खत्म होना चाहिए, लेकिन खेल जारी रहना चाहिए। मैं इसके कार्यक्रम से सहमत हूं। खेल जारी रहना चाहिए।
– सौरव गांगुली

पूर्व भारतीय कप्तान, भारत-पाक के बीच एशिया कप मैच को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्मृति मंधाना

आईसीसी ने ताजा महिला रैंकिंग जारी कर दी है। इस मैच अपडेट में इंग्लैंड और भारत के बीच खेली गई वनडे सीरीज को भी शामिल किया गया है। वहीं भारत की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना को बड़ा झटका लगा है। मंधाना कुछ समय से महिला वनडे रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज बनी हुई थीं लेकिन अब उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह दूसरी पोजीशन पर आ गई हैं। उनकी रेटिंग 728 है। मंधाना की जगह अब टॉप पर इंग्लैंड की कप्तान नैट सीवर-ब्रंट काबिज हैं। इसके साथ ही भारतीय कप्तान हमनप्रीत कौर को भी फायदा हुआ है।

क्या आप जानते हैं ?... ओवल मैदान पर आखिरी बार भारत ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट खेला था, जिसमें उसे 157 रनों से जीत मिली थी।

पांचवें टेस्ट से पहले गंभीर और ग्राउंड्समैन के बीच हुई तीखी नोकझोंक

लंदन, 29 जुलाई। भारत की ओवल टेस्ट की तैयारी कुछ तल्ख शुरुआत के साथ हुई, जब हेड कोच गौतम गंभीर की सरे काउंटी के मुख्य ग्राउंड्समैन ली फार्टिस से तीखी बहस हो गई। दूर से देखने पर गंभीर फार्टिस की ओर उंगली उठाकर कुछ कहते नज़र आए। हालांकि फार्टिस ने मीडिया से बातचीत में कुछ भी साफ़ नहीं कहा, लेकिन ईएसपीएनक्रिकइंफो को जानकारी मिली है कि वह भारतीय टीम द्वारा मुख्य पिच के ज्यादातर हिस्से पर अभ्यास करने से नाराज थे। दुनिया भर में ग्राउंड्समैन मुख्य पिच को लेकर बेहद सतर्क रहते हैं, ताकि मैच के लिए सतह सही स्थिति में बनी रहे।

भारत मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ करने के बाद लंदन पहुंचा और मंगलवार को टीम का वैकल्पिक अभ्यास सत्र रखा गया। आमतौर पर सपोर्ट स्टाफ खिलाड़ी आने से पहले पहुंच जाता है, और इस बार भी कोचिंग स्टाफ के साथ गंभीर भी जल्द आए। माना जा रहा है कि कई खिलाड़ी और कोच जब पिच के काफी करीब पहुंच गए, तो फार्टिस को यह ठीक नहीं लगा। फार्टिस की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि ओवल में अभी गर्मियों में और भी कई मैच होने हैं, जो सितंबर की शुरुआत तक चलेंगे, और पिच को सुरक्षित रखना जरूरी है। जब उन्होंने यह बात भारतीय दल से कही, तो सपोर्ट स्टाफ ने बताया कि तीन अभ्यास पिचों के आसपास से दूर रहना मुश्किल है क्योंकि अभ्यास के लिए वही इलाका तय किया गया है। इसके बाद गंभीर ने खुद फार्टिस से बात करने का फैसला किया।

कोई विरासत नहीं, बस एक क्रिकेट पिच है

भारत के असिस्टेंट कोच सितांशु कोटक ने बताया कि जब उन्हें पिच से एक तय दूरी पर रुकने को कहा गया, तो उन्हें थोड़ा अटपटा लगा, जबकि वे स्पाइक्स में नहीं थे। उन्होंने कहा, जब कुछ कोच पिच देखने गए, तो एक ग्राउंडस्टाफ़ ने कहा कि 2.5 मीटर दूर रहिए। इससे थोड़ा अजीब लगा। क्योंकि ये वही पिच है, जहां परसों से टेस्ट मैच है, जो पांच दिन चलेगा, और हम जॉगर्स पहनकर खड़े थे तो थोड़ा अजीब जरूर लगा।

कोटक ने यह भी इशारा किया कि विवाद शायद बातचीत के लहजे की वजह से हुआ

जब आप बहुत बुद्धिमान और स्किल्ड लोगों के साथ काम कर रहे होते हैं, और अगर बात करने का तरीका थोड़ा अहंकारी लगे या ऐसा लगे कि... आप सुरक्षा को लेकर सजग रह सकते हैं, लेकिन आखिरकार ये एक क्रिकेट पिच ही है। कोई एंटीक चीज नहीं है जिसे छू भी न सकें कि 200 साल पुरानी है और टूट जाएगी।

हम उस स्क्वायर पर रबर स्पाइक्स पहनकर खड़े थे। आप ही बताइए परसों बल्लेबाज रनआउट से बचने के लिए स्लाइड करेगा, गेंदबाज़ गेंद रोकने के लिए डाइव मारेगा। तो क्या हम घास उगाने आए हैं? मुझे नहीं पता। उन्होंने कहा कि हम अगली पिच पर घास बढ़ाना चाह रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं पता एक दिन में कितनी घास उग सकती है और अगले पांच दिन में क्या होगा। (हम समझते हैं) आप मैदान को अच्छा रखना चाहते हैं, स्क्वायर को भी, लेकिन आखिर में ये एक क्रिकेट पिच ही है। इंग्लैंड को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफ़ी में 2-1 की बढ़त हासिल है। अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से ओवल में खेला जाएगा।

गंभीर और फार्टिस के बीच हुई बहस पर कोटक ने कोई टिप्पणी नहीं की

उन्होंने कहा, (हम) सिर्फ विकेट देख रहे थे, हमारे पास रबर स्पाइक्स थे, और टेस्ट मैच परसों है। इसमें कुछ गलत नहीं है। क्यूरेटर को भी समझना चाहिए कि जिनसे वो बात कर रहे हैं वो बहुत स्किल्ड और समझदार लोग हैं। मसलन, जहां हम प्रैक्टिस कर रहे थे, वहां जाओगे तो कोई निशान भी नहीं मिलेगा कि किसी गेंदबाज ने स्पाइक्स से आउटफील्ड पर स्क्रैच डाला हो। ये सब हेड कोच से ही आता है। हमारी कोशिश यही रहती है कि मैदान को कोई नुक़सान न हो।

विशाल निर्वाण वर्ल्ड बॉक्सिंग द्वारा एशियन चैम्पियनशिप में तकनीकी अधिकारी नियुक्त

जयपुर, 29 जुलाई। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के उपाध्यक्ष व राजस्थान बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव डॉ नरेंद्र कुमार निर्वाण ने बताया कि 30 जुलाई से 12 अगस्त तक थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित होने वाली अंडर-19 और अंदर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अंतरराष्ट्रीय रेफरी और जज श्री विशाल कुमार निर्वाण को विश्व मुक्केबाजी संघ की ओर से एशियन बॉक्सिंग कनफेडरेशन में तकनीकी अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर राजस्थान बॉक्सिंग संगठन के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए राजस्थान बॉक्सिंग की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए इसे राजस्थान को गौरवान्वित करने वाली खबर बताया। विशाल निर्वाण को हाल ही में रोहतक में आयोजित 6वीं अंडर 17 बालक/ बालिका राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में बेस्ट रेफरी और जज के सम्मान से पुरस्कृत किया गया था।

मुकुल चौधरी की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से जीती सोनी क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 29 जुलाई। सोनी स्टेडियम पर चल रहे सोनी कप में अनंत्तम क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 142/6 रन बनाए। जिसमें डीपी ने 42 रन व तनिष जैन ने नाबाद 40 रनों का योगदान दिया। सोनी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में निलेश को दो विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सोनी क्रिकेट अकादमी 12.1 ओवर में 143/3 रन बनाकर जीत दर्ज की। जिसमें मुकुल चौधरी ने नाबाद 73 रन व सचिन यादव ने 26 रन बनाए। अनंतम क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में ऋतुराज सिंह व राजीव और आर्यन यादव को एक-एक विकेट मिला। मैन ऑफ द मैच -मुकुल चौधरी

नारायणा क्रिकेट अकादमी को हराकर अरावली क्रिकेट अकादमी पहुंची फाइनल में

जयपुर, 29 जुलाई। अंडर-16 अरावली कप के सेमीफाइनल मुकाबले में अरावली क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 177 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं। मोहम्मद कैफ ने 52 और रोनित सैनी ने 46 रनों का योगदान दिया। नारायणाक्रिकेट अकादमी की ओर से गौरव सैनी और नवीन ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नारायणाक्रिकेट अकादमी 39.2 ओवर में 170 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाकर ऑल आउट हो गई। रवि कश्यप ने सर्वाधिक 40 रनों का योगदान दिया। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से संजय गुर्जर, अक्षित, चेतन गोरा और मोहम्मद कैफ ने 2-2 विकेट लिया ! मैन ऑफ द मैच मोहम्मद कैफ को चुना गया।

एशिया कप 2025 से भी बाहर हो सकते है ऋषभ पंत

लंदन, 29 जुलाई। भारतीय टीम को इंग्लैंड के मौजूदा दौरे पर कई झटके लगे हैं। इनमें से बड़ा झटका ऋषभ पंत के चोटिल होने पर लगा है। पंत के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया। हालांकि, वह पहली पारी में मजबूरन लंगड़ाते हुए खेलते दिए। लेकिन उनको बाद में बैसाखी के सहारे देखा गया। बीसीसीआई ने भी इस बात की पुष्टि कर दी कि वह आखिरी टेस्ट से बाहर हो गए हैं। वहीं उनकी बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में रखा जा रहा है। वहीं अब खबर है कि, डॉक्टरों ने पंत को 6 हफ्ते का आराम दिया है। मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन चोटिल होने के बाद से अगर देखें तो उनके 6 हफ्ते का समय एशिया कप शुरू होने के दौरान ही खत्म होगा। 9 सितंबर से एशिया कप की शुरुआत होगी जबकि अगस्त के अंत तक हर हाल में भारत को अपना एशिया कप 2025 का स्क्वॉड घोषित करना है। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि ऋषभ पंत अब इस टूर्नामेंट से भी बाहर रह सकते हैं। भारतीय टीम 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। बता दें कि, ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा की किस्मत चमक सकती है। हालांकि, संजू सैमसन के रूप में एक ओपनर और विकेटकीपर का विकल्प पहले से ही टीम के पास है। लेकिन दूसरे विकेटकीपर के रूप में जितेश शर्मा को टीम सेलेक्टर्स और मैनेजमेंट पंत की जगह चुन सकते हैं।

वाशिंगटन के पिता ने कोच गंभीर और अगरकर पर बोला हमला

नई दिल्ली, 29 जुलाई। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के पिता एम सुंदर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर पर जमकर हमला बोला है। इस दौरान सुंदर के पिता ने बेटे को लगातार मौके ना मिलने पर निराशा जताई है। वशि के पिता का ये रिएक्शन ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में वाशिंगटन सुंदर के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आया है। जहां सुंदर ने अपना पहला टेस्ट शतक ठोका और इंग्लैंड के खिलाफ मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।वाशी के पिता ने कहा कि वाशिंगटन सुंदर लगातार बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन लोग उसके प्रदर्शन को नजर अंदाज कर देते हैं और भूल जाते हैं। दूसरे खिलाड़ियों को नियमित तौर पर चांस मिलते हैं सिर्फ मेरे बेटे को ही नहीं मिला।

ओवल में आकाशदीप और कुलदीप की हो सकती है टीम इंडिया में वापसी, बुमराह पर भी आएगा फैसला

लंदन, 29 जुलाई। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के ओवल में खेला जाएगा। फिलहाल अभी तक सीरीज में इंग्लैंड टीम 2-1 से आगे है, वहीं इससे पहले चौथा टेस्ट मैच दोनों टीमों के बीच ड्रॉ खेला गया। वहीं भारत इस सीरीज को 2-2 करने के लिए ओवल में इंग्लैंड को हराना चाहेगी। इस मैच के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग 11 को लेकर काफी चर्चा है। जहां विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल होने के कारण आखिरी मैच से बाहर हो चुके हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह खेलेंगे या नहीं इस पर भी अभी जानकारी सामने आई है।

कुलदीप यादव की होगी वापसी!

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अभी तक कुलदीप यादव को एक भी मैच में मौका नहीं मिला है। रिपोर्ट्स के अनुसार कुलदीप यादव को ओवल टेस्ट में मौका मिल सकता है। ड्राई सरफेस पर उनकी स्पिन गेंदबाजी कारगर साबित हो सकती है। तेज गेंदबाज आकाशदीप चौथे टेस्ट में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे और उनकी अंशुल कंबोज को डेब्यू का मौका मिला था। कंबोज डेब्यू मैच में कमाल नहीं दिखा पाए और अब फिटनेस हासिल कर चुके आकाश को उनकी जगह मौका मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक आकाशदीप का दूसरे पेसर के रूप में खेलना तय है और वह सिराज का साथ देते दिख सकते हैं। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सिर्फ तीन मैच ही खेलने वाले थे, जो उन्होंने खेल लिए हैं। अब देखना होगा कि ओवल में बुमराह उपलब्ध रहते हैं या नहीं। बुमराह को लेकर अगले 24 घंटे में स्थिति साफ हो सकती है। वहीं अगर बुमराह ओवल टेस्ट नहीं खेलते हैं तो फिर अर्शदीप सिंह को डेब्यू का मौका मिल सकता है।

चंद्रकांत पंडित ने केकेआर के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

कोलकाता, 29 जुलाई। चंद्रकांत पंडित ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से नाता तोड़ने का फैसला किया है और अब वह फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच के रूप में काम नहीं करेंगे, टीम ने आज इसकी पुष्टि की। पंडित, जिन्होंने 2023 सीजन से पहले कोचिंग की बागडोर संभाली थी, ने केकेआर को टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 संस्करण में ऐतिहासिक खिताब दिलाया, जो उनकी तीसरी और एक दशक में पहली चैंपियनशिप थी। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा, हम उनके अमूल्य योगदान के लिए आभारी हैं, जिसमें 2024 में केकेआर को टाटा आईपीएल चैंपियनशिप तक ले जाना और एक मजबूत, लचीली टीम बनाने में मदद करना शामिल है। अपने बेबाक रवैये और घरेलू प्रतिभाओं से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने की क्षमता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित, पंडित के नेतृत्व और अनुशासन को टीम की मानसिकता और मैदान पर प्रदर्शन को नया रूप देने का श्रेय दिया जाता है।

काफा नेशंस कप में हिस्सा लेगी भारतीय फुटबॉल टीम

ताजिकिस्तान-उज्बेकिस्तान में होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 29 जुलाई। ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच काफा नेशंस कप का आयोजन होगा। वहीं इस टूर्नामेंट मेंभारतीय फुटबॉल टीमभी हिस्सा लेगी।बता दें कि, मलेशिया के विकल्प के तौर पर मध्य एशियाई फुटबॉल संघ ने भारत को खेलने का न्योता दिया है। आठ टीमो के टूर्नामेंट में मलेशिया ने खिलाड़ियो की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स का हवाला देकर 15 जुलाई को नाम वापिस ले लिया था। ये टूर्नामेंट फीफा की अंतर्राष्ट्रीय विंडो में नहीं पड़ता जो एक से 9 सितंबर के बीच है। ओमान को भी इसमें भाग लेने के लिए न्योता मिला है। टूर्नामेंट का पहला सत्र 2023 में हुआ था जिसमें ईरान विजयी रहा था। समझा जाता है कि एआईएफएफ ने न्योता स्वीकार कर लिया है।

भारत और पाक मैच को लेकर शुभमन द्विवेदी की पत्नी ने बीसीसीआई पर उठाए सवाल

भावनाओं के साथ खिलवाड़ हो रहा है : ऐशन्या द्विवेदी

नई दिल्ली, 29 जुलाई। सितंबर में एशिया कप 2025 का आयोजन होगा। जिसके अंतर्गत भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे से टकराएंगी। वहीं इस मैच के लिए बीसीसीआई भी सहमत हो गया है लेकिन पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवार बोर्ड के इस फैसले से नाखुश हैं।वहीं इसी कड़ी में पहलगाम हमले में आंतकवादियों का शिकार बने कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या द्विवेदी ने भारत-पाक मैच की मंजूरी देने पर बीसीसीआई को लताड़ लगाई है।

दरअसल, एसीसी ने एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी कर दिया है। जिसका आगाज 5 सितंबर से होना है। वहीं इस दौरान 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को लेकर बीसीसीआई की मंजूरी के फैसले ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिजनों को निराश कर दिया है।

कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या ने एक इंटरव्यू में कहा कि, मैं भी ये जो भारत-पाकिस्तान का मैच है इसका बॉयकॉट करूंगी। बीसीसीआई इसको होस्ट कर रहा है, ये बहुत ज्यादा... एक विक्टिम हैं जो हम झेल रहे हैं। 3 महीने में आप भूल गए। लोग भूल जाते हैं पर मुझे नहीं पता था कि लोग इतनी जल्दी ये देश, ये नेशन, बीसीसीआई या कोई भी हमें इतनी जल्दी भूल जाएगा। 3 महीने हुए हैं और आप कैसे सहमति कर रहे हो कि भारत-पाक का मैच करवाना है एशिया कप में। ये गलत है, ये आप हमारे इमोशन के साथ गलत कर रहे हो।

गौरतलब है कि, पहलगाम हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ था। जहां जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बाइसरन घाटी में 5 आंतकियों ने 26 पर्यटकों पर हमला किया था। इनमें ज्यादातर हिंदू थे, जबकि एक ईसाई पर्यटक और एक स्थानीय मुस्लिम शख्स भी मारा गया था।

सात्विक-चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से शामिल

नई दिल्ली, 29 जुलाई। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम रैंकिंग में शीर्ष 10 में जोरदार वापसी की है, जिससे इस सीजन की शुरुआत में थोड़ी गिरावट के बाद शीर्ष 10 में उनकी जगह पक्की हो गई है।

एशियाई सर्किट में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच, जहां कोरियाई और मलेशियाई जोड़ियां लगातार अपना दबदबा बनाए हुए हैं, ऊपरी वर्ग में उनकी वापसी हुई है। कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे ने 85,000 अंकों और 79

करियर जीत के प्रभावशाली रिकॉर्ड के साथ अपनी बढ़त बनाए रखते हुए नंबर 1 पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इस जोड़ी की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं आया है और वे अब भी सबसे बड़ी जोड़ी बनी हुई हैं।

मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक 68,750 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, और उन्होंने हमवतन मान वेई चोंग और टी काई वुन को पीछे छोड़ दिया है, जो अब 65,630 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

थाईलैंड के किट्टिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुआवारानुक्रोह 57,040 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ताइवान के ली फैंग-चिह और ली फैंग-जेन 55,000 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। नए जोश और शीर्ष-स्तरीय टूर्नामेंटों के साथ, सात्विक और चिराग अपनी रैंकिंग में उछाल को बरकरार रखते हुए और आगे बढ़ने का लक्ष्य रखेंगे।

लैथम की अनुपस्थिति में सैंटनर न्यूजीलैंड की कमान संभालेंगे

बुलावायो, 29 जुलाई। मिशेल सैंटनर कल से बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में नियमित कप्तान टॉम लैथम की जगह लेंगे, जो कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। ब्लैककैप्स के सीमित ओवरों के कप्तान सैंटनर, हरारे में हाल ही में हुई टी20 ट्राई-सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन के बाद, लाल गेंद से कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जहां उन्होंने न्यूजीलैंड को अजेय खिताब दिलाया था। इस ऑलराउंडर के पास 30 टेस्ट मैचों का अनुभव है, जिसमें उन्होंने 1066 रन बनाये और 74 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड टीम प्रबंधन ने पुष्टि की है कि लैथम, जिन्हें इंग्लैंड में एक घरेलू टी20 मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लगी थी।

राजस्थान रैंकिंग में यश सोनी जोधपुर व कार्तिक जैन जयपुर ने किया बड़ा उलटफेर

जयपुर, 29 जुलाई। राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन में आज धमाकों का दौर रहा अंडर-19 बॉयज सिंगल्स में जोधपुर के यश सोनी ने बड़ा उलट फेर करते हुएभीलवाड़ा केबॉयज अंडर-19 सिंगल्सके प्रथम वरीयता प्राप्त हर्ष टेलर को सीधे व आसन गेम में 21 -15 ,21- 15 से हरा कर धमाका किया व बॉयज सिंगल से बाहर किया वहींपुरुष एकल प्री क्वार्टर फाइनल में जयपुर के कार्तिक जैन ने दूसरी वरीयता प्राप्त बीकानेर के जागृत बीनानी को संघर्ष भरे तीन गेमों में18-21, 21-13, 21-9 से हराया प्रतियोगिता का दूसरा बड़ा उलट फेर किया। बॉयज डबल्स अंडर-19 क्वार्टर फाइनल में चूरू की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी दक्ष भाटी, तक्ष भाटी को बीकानेर के भुवनेश ओझा और वेदांत जोशी ने लगभग 55 मिनट चले तीन गेमों में 22- 24 ,21 -12 ,21- 19 से हरा डबल से बाहर किया वहीं कई वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अपने वरीयता के अनुरूप प्रदर्शन कर अगले राउंड में पहुंचे। पुरुषों में प्रथम वरीयता के मनीष फौगाट ने क्वार्टर फाइनल में भरतपुर के पांचवीं वरीयता प्राप्त भुवन सिंह को 21- 12 ,21- 12 से हराया।

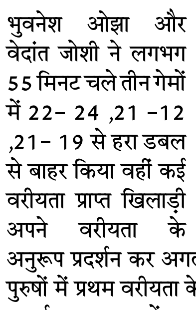

एक अन्य क्वार्टर फाइनल में जयपुर के कार्तिक जैन ने दक्ष भाटी को 21-17, 21-15 से हराया वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में हर्ष चपलोत पांचवी वरीयता प्राप्त ने बीकानेर के तीसरी वायता प्राप्त वंश शर्मा को 21 -13 ,21- 15 से हराया।

अंडर 19 बॉयज सिंगल्स में जयपुर के दूसरी वरीयता प्राप्त गुरतेज सिंह वशीर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जयपुर के ही भानु प्रताप जाटोलिया को तीन लंबे हुए संघर्ष भरे गेम में 21- 14, 22- 24 ,21 -12 सेपरास्त किया।

गर्ल्स डबल्स अंदर 19 के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त अदिति शर्मा- साक्षी सिंह कोटा व उदयपुर की जोड़ी ने चूरू व राजसमंद की जोड़ी खुशी पूनिया व वनिता चौधरी को 21 -14, 21- 12से हरा फाइनल में प्रवेश किया है।

मेंस डबल्स क्वॉर्टर फाइनल में प्रथम वरीयता की जोड़ी आर्यन त्यागी, मुरली शर्मा ने दीपांशु व सचिन झांझरिया को 21- 13 ,21 -10 से हराया वही पांचवीं वरीयता प्राप्त आर्क जैन, लक्ष्य चावत ने क्वार्टर फाइनल में को 21 -19 21 -17 से हराया।

महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में सुहासी वर्मा जयपुर ने नेहाल सिसोदिया को अन्वी राठौर जयपुर ने पूनम स्वामी को तनीषा सिंह राजसमंद ने अनीता तामरा उदयपुर को तथा पारूल चौधरी चूरू ने चित्तौड़ की काव्य स्वामी को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

खुली बोली निविदा 02/2025-26

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रशासनिक कार्यालय में सम्पूर्ण कार्यालय भवन, समस्त शौचालय एवं परिसर इत्यादि में सफाई कार्य हेतु दर संविदा के लिए ई बोली आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.aujodhpur.ac.in पर उपलब्ध है।

UBN NO: JAU2526SLRC00065, Eproc ID: 2025_AGUJD_490730_1

राज.संवाद/सी/25/7124 नियंत्रक (वित्त)

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :– 274 दिनांक :– 28.07.2025

निविदा सूचना संख्या 06/2025–26

इस कार्यालय द्वारा 1. श्योपुर चौराहा से अजय मार्ग, प्रताप नगर, आरएचबी, जयपुर स्थित पीएचईडी कार्यालय तक स्ट्रीट लाईट और हाई मास्ट लाईट का कार्य। 2. डीएचसी–तृतीय, कार्यालय परिसर, आरएचबी, जयपुर में सौर प्रणाली एसआईटीसी का कार्य। 3. इन्दिरा गांधी नगर सेक्टर 1, 6, 14 के शेष क्षेत्र एवं सेक्टर 9 से 10 के बीच, आरएचबी, जयपुर में स्ट्रीट लाईट एवं हाईमास्ट लाईट का कार्य। उक्त समस्त कार्यों की निविदा इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 30.07.2025 से 11.08.2025 सायं 06:00 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in & http://rhb.rajasthan.gov.in विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध हैं।

यू.बी.एन. नं. :– RHB2526WSOB00145 से RHB2526WSOB00147

राज.संवाद/सी/25/7171 आवासीय अभियन्ता, खण्ड–विद्युत, जयपुर

कार्यालय नगरपरिषद राजसमन्द

जिला परिषद रोड, राजनगर राजसमन्द पिन 313324

Email :- rajsamandnagarpalika@gmail.com Telephone No. 02952-220034

क्रमांकः एफ (9)नपरा/विकास /NIT/9/2025/3662 दिनांक : 28.07.2025

निविदा सूचना संख्या 9/2025–26

नगरपरिषद राजसमन्द द्वारा 7 कार्य की अनुमानित लागत 29.90 लाख रूपये हेतु संबंधित संवेदक/संस्था/संगठन से दिनांक 05.08.2025 को 3.00 बजे तक मुहरबन्द लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 05.08.2025 दोपहर 1.00 बजे तक विक्रय की जावेगी। प्राप्त निविदाऐं आमंत्रित तिथि को सायं 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। सशर्त दरें मान्य नही होगी। निविदा सम्बन्धित विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

UBN No. DLB2526WSOB12927, WSOB12928, WSOB12929, WSOB12930, WSOB12931, WSOB12933, WSOB12934

सभापति नगरपरिषद राजसमन्द — आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

राज.संवाद/सी/25/7146

कार्यालय भू-सम्पत्ति अधिकारी

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना संख्या 05 (2025-2026)

मुख्यालय का नाम	कार्यालय भू–सम्पत्ति अधिकारी, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा का कार्य	निर्माण कार्य
निविदाओं की कुल लागत	रु. 47.14 लाख
निविदा बेचने की अंतिम तारीख	07.08.2025 को सायं 1:00 बजे तक
डी.डी. और Online जमा कराने की तिथि	08.08.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	08.08.2025 को दोपहर 2.30 बजे।

आर.पी.डब्ल्यू.ए. 100 एवं Rajasthan Transparency in Public Procurement act 2012 की शर्तें लागू होंगी।

नोट :– निविदा से सम्बन्धित पूर्ण विवरण वेबसाईट www.raubikaner.org, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp देखा जा सकता है। UBN : SKA2526WSOB00050 To SKA2526WSOB00067

राज.संवाद/सी/25/7127 भू-सम्पत्ति अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल–कोटा

email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :– ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/552–566 दिनांक :–28.07.2025

ई–निविदा सूचना संख्या : 28/2025–26

नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्य हेतु कुल राशि 105.88 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 01.08.2025 से दिनांक 11.08.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 71 तलवण्डी एवं इन्द्रा विहार में विभिन्न स्थानो पर निर्माण/मरम्मत, पैच रिपेयर एवं अन्य विकास कार्य।	24.00
2	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड संख्या 71 इन्द्रा विहार में स्थित सोसायटी भवन में आवश्यक निर्माण/मरम्मत, एवं एवं अन्य विकास कार्य।	49.15
3	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र में मुख्य मार्ग पर Mild Steel युनीपोल बनाने का कार्य।	32.73

NIB Code No.DLB2526A4011 UBN No.DLB2526WSOB12866
UBN No.DLB2526WSOB12867 UBN No.DLB2526WSOB12868

अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/7155

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR

(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- RPHCCL/469/NIT/2025-26/D-2098 दिनांक :- 28/07/2025

ई-निविदा सूचना सं0 19/2025-26

निम्नलिखित कार्यो के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्ष की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में क्रम संख्या 01 से 04 तक की निविदा Two Bid System तथा क्रम संख्या 10 एवं 11 की निविदा एकल मद के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 1642.34 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	31 जुलाई 2025 प्रातः 9.30 बजे से 21 अगस्त 2025 सायं 4.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	21 अगस्त 2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	22 अगस्त 2025 सायं 4.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा।

UBN No. : RID2526WLOB00216, RID2526WSOB00217, RID2526WSOB00218, RID2526WSOB00219, RID2526WSOB00220

महाप्रबन्धक राजस्थान पुलिस आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड

राज.संवाद/सी/25/7137

पहलगाम में पर्यटकों की हत्या करने वाले तीनों आतंकवादी मारे गए

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, तीनों लश्करे तैयबा के ए श्रेणी के आतंकवादी थे

नयी दिल्ली, 29 जुलाई। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में घोषणा की कि पहलगाम आतंकवादी घटना को अंजाम देने वाले तीनों आतंकवादी सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये।

शाह ने लोक सभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि ऑपरेशन महादेव के दौरान कल पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी सुलेमान, अफगान और जिब्रान सैन्य बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये। उन्होंने बताया कि सुलेमान आतंकवादी संगठन लश्करे तैयबा का ए श्रेणी आतंकवादी और तथाकथित कमांडर था। अफगान और जिब्रान भी लश्करे तैयबा से जुड़े हुए ए श्रेणी के आतंकवादी थे।

उन्होंने बताया कि मारे गये तीनों आतंकवादियों के पहलगाम घटना में शामिल होने की पुष्टि इन्हें पनाह देने वालों से करायी गयी है। पहलगाम हमले में इस्तेमाल हथियारों से निकले खोखे की मिलान कर लिया गया है और इसकी पुष्टि हो गयी है कि इन आतंकवादियों के कब्जे से बरामद हथियार ही पहलगाम हमले में इस्तेमाल किये गये थे। शाह ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इन आतंकवादियों को पहलगाम घटना के बाद शरण और भोजन देने वालों को गिरफ्तार किया था। उनसे इन आतंकवादियों की पहचान करायी गयी है। इन आतंकवादियों के पास पाकिस्तान निर्मित चाकलेट बरामद की गयी थी।

उन्होंने कहा कि वह पहलगाम हमले में मारे गये पर्यटकों के पीड़ित परिजनों से कहना चाहते हैं कि पहलगाम आतंकवादी घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को सैन्य बलों ने सोमवार को मार गिराया है और पाकिस्तान में बैठे इनके आकाओं को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान ही नेस्तनाबूद कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि पहली बार भारत ने पाकिस्तान के 100 किलोमीटर अंदर स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया। इससे पहले पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया गया था।

शाह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के अलावा पाकिस्तान के 11 एयरबेस क्षतिग्रस्त किये गये इनमें नौ तो पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया गया। पाकिस्तान के छह राडार सिस्टम ध्वस्त किये गये। इस तरह पाकिस्तान के सेना के कमर तोड़ दी गयी तो उसके पास युद्ध विराम करने की गुहार लगाने के अलावा कोई चारा नहीं था।

- शाह ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कहा कि 2014 के बाद से मोदी सरकार हर आतंकी हमले का करारा जवाब देती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की पूर्व में की गयी गलतियों के कारण ही पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले आतंकवादी हमलों का पाकिस्तान को सटीक जवाब नहीं जाता था लेकिन अब मोदी सरकार हर आतंकवादी हमले का करारा जवाब देती है।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं मे कमी आयी है। पथराव की घटनायें बंद हो गयी हैं। वहां आतंकवादी इकोसिस्टम को समाप्त कर दिया गया है। अब घाटी में बंद आहूत नहीं किये जाते।

सुप्रीम कोर्ट बिहार की मतदाता सूचि पर फिलहाल हस्तक्षेप नहीं करेगा

नयी दिल्ली, 29 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण में 65 लाख मतदाताओं के मतदाता सूची से बाहर होने की आशंकाओं पर मंगलवार को मौखिक रूप से फिर कहा कि यदि ऐसा हुआ तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण की आशंका पर यह आश्वासन दिया। पीठ के समक्ष अधिवक्ता भूषण ने निर्वाचन आयोग के इस बयान का जिक्र किया कि 65 लाख लोगों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान गणना फॉर्म जमा नहीं किए हैं। भूषण ने कहा कि इससे उन मतदाताओं के मतदान के अधिकार से वंचित होने की आशंका है।

- मतदाताओं को मतदाता सूचि से बाहर किये जाने पर कार्यवाही का आश्वासन।

शीर्ष अदालत बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर, सुनवाई 12 और 13 अगस्त को करने वाली है।

खड़गे पर नड्डा के बयान से राज्यसभा में बवाल मचा

बाद में नड्डा ने अपने शब्द वापस लिए और माफी मांगी

नयी दिल्ली, 29 जुलाई। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सदन के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। दरअसल, खड़गे की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर कही गईं बातों पर नड्डा ने आपत्ति जताई और कुछ ऐसा बोल गए कि विपक्ष ने हंगामा कर दिया। इसके बाद नड्डा ने अपने शब्द वापस ले लिए। अगर मेरी बात से किसी का दिल दुखा तो मैं माफी मांगता हूं, लेकिन खड़गे जी जैसे वरिष्ठ नेता ने देश के प्रधानमंत्री के लिए जैसी बातों का इस्तेमाल किया है, वो ठीक नहीं है।

दरअसल, राज्यसभा में खड़गे के बयान पर कुछ आपत्तियों के साथ जेपी नड्डा ने बोलना शुरू किया। नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता ने लंबा वक्तव्य दिया, लेकिन उनके कद के हिसाब से जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया, वो उनके स्तर के नहीं थे, जिस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की। मैं उनकी तकलीफ समझ सकता हूं कि प्रधानमंत्री ने उन्हें 11 साल से विपक्ष में बिठाए रखा है। प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ये हमारे लिए भी और देश के लिए भी गौरव का विषय है। लेकिन आपकी चिंता पार्टी के लिए इतनी है कि उसमें देश का विषय भी गौण हो जाता है। आप भावावेश में आकर ऐसी टिप्पणियां करते हैं।

- लेकिन नड्डा ने यह भी कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ नेता को प्रधानमंत्री की गरिमा का ख्याल रखना चाहिये था।

इसके बाद सदन में हंगामा हो गया और कांग्रेस सांसदों ने असंसदीय शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई। इस पर नड्डा ने ये शब्द कार्यवाही से हटाने की अपील की। इससे सदन की कार्यवाही थोड़ी देर के लिए बाधित हुई। खरगे ने बयान को लेकर नड्डा से माफी की मांग की। इस पर नड्डा ने कहा कि आपको अगर ठेस पहुंची तो मैं माफी मांगता हूं, लेकिन आप भी भावावेश में इतना बह गए कि प्रधानमंत्री की गरिमा का भी ध्यान नहीं रख पाए।

ट्रंप ने रुस को 10-12 दिन का नया अल्टीमेटम दिया

लंदन, 29 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन युद्धविराम पर सहमत होने के लिए रूस को ''10 या 12 दिन'' की एक नयी, छोटी समय सीमा दी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की ने इस अवधि को ''बेहद महत्वपूर्ण'' बताया है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अब और इंतज़ार करने का ''कोई कारण'' नहीं है, क्योंकि शांति की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। विदित हो कि दो सप्ताह पहले ट्रम्प ने कहा था कि राष्ट्रपति पुतिन के पास युद्ध समाप्त करने के लिए 50 दिन हैं, अन्यथा रूस को कड़े आयात शुल्कों का सामना करना पड़ेगा।

- रुस ने कहा, ट्रंप के अल्टीमेटम मॉस्को में काम नहीं करते।

कल स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रम्प ने यूक्रेन में चल रही गतिविधियों पर फिर से अपनी असहमति जताते हुए कहा कि उन्हें ''अब बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है''। सोमवार के ताज़ा घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए रूसी सांसद आंद्रेई गुरुल्योव ने कहा है कि ट्रम्प के अल्टीमेटम ''अब काम नहीं कर रहे..न अग्रिम मोर्चे पर, न मॉस्को में'' और रूस के पास ''हथियारों, सिद्धांतों और इच्छाशक्ति'' की ताकत है।

विदित हो कि शांति के लिए रूस ने शांति के लिए जो शर्तें रखीं हैं वे यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों को अस्वीकार्य हैं।

खड़गे ने कांग्रेस नेताओं को पिपलोदी भेजा

नई दिल्ली, 29 जुलाई। राजस्थान में झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में स्कूल की जर्जर बिल्डिंग गिरने की घटना में सात बच्चों की मौत के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी नेताओं को वहां जाकर संबंधित पहुलओं की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम, अनुसूचित जनजाति विभाग के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया और राजस्थान प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष बाबूलाल सांखला और अनुसूचित जनजाति विभाग के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गणेश घोघरा बुधवार को झालावाड़ का दौरा करेंगे। ये नेता पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे और अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपेंगे।

- ये नेता पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर कांग्रेस अध्यक्ष को रिपोर्ट देंगे।

उल्लेखनीय है पिपलोदी गांव के सरकारी स्कूल में हुए दर्दनाक हादसे के बाद शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। हादसे की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद, कई अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

मोदी ने चोल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्नाद्रमुक के जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर संबंध बनाए हैं।

पहले यह धारणा थी कि भाजपा अन्नाद्रमुक पर दबाव बना रही है, लेकिन अब अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं को भी लगने लगा है कि यह साझेदारी स्वैच्छिक और सम्मानजनक हो सकती है।

मोदी की यात्रा के दौरान, अन्नाद्रमुक ने प्रधानमंत्री के तिरुचि रोड शो को सफल बनाने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को संगठित किया, जो यह संकेत देता है कि पार्टी अब भाजपा के साथ काम करने को लेकर अपनी पुरानी झिझक छोड़ चुकी है। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, प्रधानमंत्री मोदी और अन्य भाजपा नेता कई बार तमिलनाडु का दौरा करेंगे। इन कार्यक्रमों में अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं की भागीदारी दोनों पार्टियों के बीच विश्वास और समन्वय को और मजबूत कर सकती है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य भाजपा अध्यक्ष नैयनार नागेन्द्रन ने संकेत दिया है कि वह ईपीएस और अन्नाद्रमुक नेताओं को उनके राज्यव्यापी दौरे के दौरान भोजन पर आमंत्रित करेंगे, जो अगले महीने शुरू होने वाला है।

'राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पास लगभग 34,000 मामले लंबित'

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामसुब्रमण्यन ने पत्रकारों को जानकारी दी

हैदराबाद, 29 जुलाई। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यन ने मंगलवार को बताया कि आयोग के पास वर्तमान में 34,685 से अधिक मामले लंबित हैं।

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने हैदराबाद स्थित डॉ. एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान में आयोग के दो दिवसीय शिविर के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आयोग देश भर में मानवाधिकार उल्लंघन संबधित मामलों पर सक्रिय रूप से स्वत: संज्ञान ले रहा है।

उन्होंने कहा ''2021 में हमने ऐसे 17 मामले उठाए, 2022 में यह संख्या बढ़ कर 60, 2023 में 107 और 2024 में 105 हो गई। अब 2025 के मध्य तक यह संख्या 50 से अधिक हो गयी है।''

आयोग ने हैदराबाद में शिविर के दौरान दो खंडपीठों और एक पूर्ण आयोग सत्र के माध्यम से 87 मामलों का निपटारा किया जिनमें क्रमशः 36 और 51 मामले खंडपीठों द्वारा और 19 मामले पूर्ण पैनल द्वारा निपटाए गए।

- जस्टिस राममूर्ति ने हैदराबाद के डॉ.एम.सी.आर. मानव संसाधन विकास संस्थान में दो दिवसीय शिविर में शिरकत की।

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि आयोग ने हिरासत में हुई मौतों के मामलों में मुआवज़े के आदेश जारी कर दिए हैं। इनमें से अधिकांश भुगतान पहले ही किए जा चुके हैं और अन्य चार हफ्तों के भीतर होने की उम्मीद है।

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने कहा ''तेलंगाना में हमारे पास केवल 780 मामले लंबित हैं। इनमें पुलिस हिरासत में हुई मौतों के चार मामले और न्यायिक हिरासत में हुई मौतों के 30 मामले शामिल हैं।''

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा ''हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर कड़ी नज़र रखते हैं। जब भी हमें हिरासत में मौत, खुले नालों में गिरने से मौत, स्कूलों या छात्रावासों में लापरवाही के कारण आत्महत्या जैसी घटनाओं का पता चलता है, हम कार्रवाई करते हैं। मीडिया हमें समाज की नब्ज़ पढ़ने में मदद करता है।''

उन्होंने कुछ हालिया मामलों का हवाला दिया जिनमें एक किशोर को गलत तरीके से 40 दिनों की जेल हुई थी। इस बाबत उसे मुआवज़ा दिया गया। इसी प्रकार स्कूलों में बड़े पैमाने पर खाद्य विषाक्तता के मामले शामिल हैं जिनकी जाँच की जा रही है।

अध्यक्ष ने एक उल्लेखनीय हस्तक्षेप का भी उल्लेख किया जहाँ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बिहार से अपहृत एक लड़की का पता लगाने और उसे बचाने में मदद की। वह राजस्थान में मिली थी और सीमा पार मानव तस्करी के लिए भेजी जाने वाली थी।

वैश्विक मानव स्वतंत्रता सूचकांकों में भारत की रैंकिंग पर न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने इस रैंकिंग में असमानताओं को स्वीकार करते हुए कहा कि आयोग नीति कार्यान्वयन में सुधार के लिए राज्य सरकारों के साथ नियमित रूप से बातचीत करता है।

उन्होंने कहा ''हम यहाँ केवल बोलने के लिए नहीं हैं। हम यहाँ सुनने के लिए हैं। मीडिया की, कार्यकर्ताओं की और अधिकारों के उल्लंघन का सामना करने वालों की हम सुनेंगे। यह सहयोग वास्तविक बदलाव की कुंजी है।''

पहलगाम और ऑपरेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाई-वोल्टेज प्रचार में विश्वास करती है, लेकिन जब जवाब देने की बात आती है, तो खामोश हो जाती है। कश्मीर के लोगों को यह जानने का हक है कि उनके नाम पर क्या किया जा रहा है।''

तृणमूल कांग्रेस की सयानी घोष ने सरकार पर कश्मीर को राजनीतिक युद्धक्षेत्र में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा: यह सरकार संवेदनशीलता और ज़िम्मेदारी दिखाने में असफल रही है। उन्होंने कहा, हम लोकतंत्र हैं प्रचार मशीन नहीं। सरकार को पता होना चाहिए शासन का अर्थ जन सुरक्षा और स्वतंत्रता की रक्षा है।

विपक्ष का यह तीखा हमला ऐसे समय में हुआ है, जब पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस घटना ने फिर से यह बहस छेड़ दी है कि क्या सरकार की कश्मीर नीति और खुफिया एजेंसियों के बीच पर्याप्त समन्वय है। हालांकि, सरकार द्वारा विपक्ष के इन आरोपों पर विस्तृत जवाब सत्र के बाद में देने की संभावना है, लेकिन सोमवार को हुई बहस ने संसद में विपक्ष की एकता और सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही पर एक संयुक्त सवाल खड़ा कर दिया है।

प्रधानमंत्री से 35 मिनट मीटिंग ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद, भजनलाल ने एक बयान भी जारी किया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वे अपनी स्थिति को लेकर आश्वस्त हैं। अपने वक्तव्य में मुख्यमंत्री भजनलाल ने दूरदर्शी नेतृत्व व निरन्तर सहयोग के लिये प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में राजस्थान निरंतर विकास सभी बाधाओं को पार करता जा रहा है और नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आने वाले समय में राजस्थान को और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी को प्रभु राम की प्रतिमा भी भेंट की।

लैफ्टिनैंट जनरल प्रतीक ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल से मुलाकात की

श्रीनगर, 29 जुलाई। उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने मंगलवार को यहां उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन महादेव के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर उनके साथ 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उपराज्यपाल ने ऑपरेशन महादेव की सफलता के लिए सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस को बधाई दी। चुनौतीपूर्ण दाचीगाम के जंगल में चलाए गए इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन के परिणामस्वरूप पहलगाम के जघन्य आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों का सफाया हो गया।

- प्रतीक उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ हैं।
- उन्होंने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को ऑपरेशन महादेव की जानकारी दी।

उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से दक्षिण कश्मीर के दाचीगाम के जंगल क्षेत्रों में तलाशी अभियान जारी था। इस क्षेत्र में आतंकवादियों के छिपे होने की लगातार खबरें मिल रही थीं। हाल ही में विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, विशेष टीमों को सक्रिय किया गया था। इसके बाद सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने खुफिया एजेंसियों की सहायता से एक संयुक्त अभियान शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तानी आतंकवादियों का सफाया हो गया।

बस-ट्रक भिंड़त...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सड़क पर गिर पड़ा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बस दो सौ मीटर आगे जाकर ईंटों के ढेर से टकराकर रुक गई। इसके बाद अफरा-तफरी मच गई। हादसा मंगलवार सुबह 5 बजे देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास नावापुरा गांव में हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आधा हिस्सा पूरी तरह से धंस गया। कांवड़ियों के झोले और सामान बस में लटके दिख रहे हैं। हादसे में बस का ड्राइवर सीट समेत नीचे गिर गया। 100 मीटर तक बस बिना ड्राइवर के चली।

दिल्ली-एनसीआर में अगले सात दिन भारी बारिश की आशंका

मौसम विभाग ने रैड अलर्ट जारी किया

नयी दिल्ली, 29 जुलाई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और अन्य राज्यों में अगले सात दिनों में बारिश होने का अनुमान जताया है।

आईएमडी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आज मूसलाधार बारिश होने के बाद रेड अलर्ट जारी कर दिया। राजधानी समेत पूरे एनसीआर में आज सुबह से तेज बारिश होने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने दिल्ली में आज पूरे दिन बारिश रुक-रुक बारिश होने का अनुमान जताया था, जब सुबह शुरू हुई तेज बारिश के कारण आईटीओ, धौला कुआं, नारायणा, पटेल नगर, विजय चौक, जंगपुरा, आर के पुरम, लाजपत नगर, तालकटोरा रोड, रफी मार्ग, वजीरपुर, भजनपुरा और रोहिणी से लेकर लगभग पूरे दिल्ली के इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। सड़कों पर पानी जमा होने से यातायात जाम हो गया और वाहनों की लम्बी कतारें देखी गयी है। वहीं नोएडा में कई जगहों पर भारी जलभराव हो गया है, जिससे सड़कों पर लंबा जाम लग गया।

- दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को भी तेज बारिश हुई, जिससे जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ।

क्षेत्रीय मौसम केंद्र के अनुसार अगले सात दिनों तक, यानी तीन अगस्त तक दिल्ली-एनसीआर में बारिश जारी रहने के आसार है। कई इलाकों के लिए रैड अलर्ट जारी किया गया है।

डिंपल यादव पर कमैंट करने वाले मौलाना को कार्यकर्ता ने थप्पड़ मारा

नोएडा, 29 जुलाई। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर मौलाना साजिद रशीदी को सपा कार्यकर्ता ने थप्पड़ मारा है। बताया जा रहा है कि यह वाकया नोएडा में एक निजी चैनल के स्टूडियो में हुआ है और अब घटना का वीडियो वायरल हुआ है। मौलाना ने कहा सपा नेता मोहित नागर ने उन्हें थप्पड़ जड़ा है और इससे उनके समर्थक भड़क गए हैं।

ज्ञातव्य है कि रशीदी ने डिंपल के पति और कन्नौज के सांसद अखिलेश यादव और दूसरे सपा सांसदों के साथ हाल ही में एक मस्जिद में मुलाकात करने जाने पर टिप्पणी की थी। मौलाना ने हाल ही में एक टेलीविजन बहस के दौरान मैनपुरी की सांसद के खिलाफ कुछ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। जिसपर स्थानीय निवासी प्रवेश यादव ने रशीदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

- मौलाना साजिद रशीदी ने नोएडा में दो सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हमला करने की शिकायत दर्ज की।

छात्रसंघ चुनाव पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के मामले में इसे मूलभूत अधिकार माना है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि मूलभूत अधिकार को किसी कानून या कोर्ट आदेश से छीना नहीं जा सकता। वहीं लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के तहत, हर साल छात्रसंघ चुनाव कराए जाने चाहिए। कमेटी की सिफारिश के अनुसार, सत्र शुरु होने के छह से आठ सप्ताह के भीतर छात्रसंघ चुनाव होने चाहिए। याचिका में कहा गया कि विश्वविद्यालय ने लिंगदोह कमेटी की सिफारिशों के आधार पर एक कोड ऑफ कंडक्ट बना रखा है और यदि उसकी अवहेलना होती है तो नियमानुसार कार्यवाही का प्रावधान भी किया गया है। इसके बावजूद, विवि प्रशासन की ओर से ही इस कमेटी की सिफारिशों को नहीं माना जा रहा। याचिका में कहा गया कि कमेटी की सिफारिश होने तथा सुप्रीम कोर्ट की ओर से इसे मूलभूत अधिकार घोषित करने के बावजूद, भी राजस्थान विश्वविद्यालय प्रशासन ने शैक्षिणक सत्र 2025-26 के लिए छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए अभी तक कोई अधिसूचना जारी नहीं की है। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

नेतृत्व सिर्फ श्रेय लेना नहीं होता, जिम्मेवारी भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज़्यादातर लोगों के पास सुरक्षा कवर है, लेकिन उस दिन पहलगाम में 26 लोग अपने परिवार के सामने मारे गए। वहां मौजूद किसी के पास कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। आप कितने भी ऑपरेशन कर लें, सच नहीं छुपा सकते।''

उन्होंने सवाल किये, ''बैसारन में एक भी सुरक्षा जवान क्यों नहीं था? क्या नागरिकों की सुरक्षा प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री की ज़िम्मेदारी नहीं है?''

उन्होंने कहा, ''आज गृह मंत्री अमित शाह ने मेरी मां के आंसुओं की बात की। मैं जवाब देना चाहती हूं, मेरी मां के आंसू तब गिरे थे, जब आतंकवादियों ने मेरे पिता को मार दिया था। आज जब मैं उन 26 लोगों की बात करती हूं, तो इसलिए, क्योंकि मैं उनका दर्द समझती हूं।''

कांग्रेस महासचिव ने सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह सरकार जिम्मेदारी से भागती है। ''कल रक्षा मंत्री (राजनाथ सिंह) ने एक घंटे का भाषण दिया, जिसमें उन्होंने बहुत सारी चीजों के बारे में बातें कीं, लेकिन उन्होंने एक बात को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। 22 अप्रैल, 2025 को 26 देशवासी मारे गए, लेकिन यह हमला कैसे और क्यों हुआ?''

प्रियंका गांधी ने कहा कि यह सरकार हर राष्ट्रीय त्रासदी को राजनीतिक मुद्दा बना देती है। ''यह सरकार हर बार सवालों से भागती है, देश की जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। सच्चाई यह है कि उनके दिलों में जनता के लिये कोई जगह ही नहीं है। इनके लिए सब कुछ राजनीति है, प्रचार है।''

प्रियंका ने अपने भाषण में कहा, ''साहब, आप इतिहास की बात करते हैं, मैं वर्तमान की बात करूंगी। आप हमेशा बहाने ढूंढ़ते हैं, पूरी (गांधी) फैमिली को गिनवाते हैं, आप 11 साल से सत्ता में हैं। कल गौरव गोगोई ने गृह मंत्री से सवाल किया, क्या वह आपकी ज़िम्मेदारी नहीं थी? रक्षा मंत्री राजनाथ जी सिर हिला रहे थे, लेकिन गृह मंत्री हँस रहे थे।

जब प्रियंका ने लोकसभा में अपना पहला नाम पढ़ा तो सत्तापक्ष की ओर से 'हिंदू' के नारे लगे। उन्होंने जवाब में कहा, ''भारतीय''।

प्रियंका ने लोकसभा में ''ऑपरेशन सिंदूर'' पर चर्चा के दौरान कहा, ''उस दिन 26 भारतीय परिवार बर्बाद हो गए। उनके लिये कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। आप कितने भी ऑपरेशन कर लें, इस सच्चाई को नहीं छुपा सकते। हम सब उन परिवारों के प्रति जवाबदेह हैं। उन्हें सच्चाई जानने का हक है।'' उन्होंने कहा, ''यह सरकार सिर्फ जवाब देने से बचने की कोशिश करती है।''

जब गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा को संबोधित कर रहे थे, तब उन्होंने पहलगाम हमले के जिम्मेदार आतंकियों के मारे जाने का विवरण दिया, उन्होंने, हमेशा की तरह, 1948 से लेकर 1962 की भारत-चीन लड़ाई तक की बातें कीं और नेहरू के कार्यकाल पर आरोप लगाए थे।

उन्होंने 2004 से 2014 के बीच यूपीए शासन के दौरान पूरे देश में हुए 25 आतंकी हमलों की सूची भी पेश की थी।

प्रियंका ने शाह पर पलटवार करते हुए कहा, ''उन्होंने यूपीए शासन के दौरान हुए 25 हमलों की बात की। वहीं, टीआरएफ आतंकी संगठन, जिसने पहलगाम हमले की ज़िम्मेदारी ली, उसने अप्रैल 2020 से लेकर अब तक कश्मीर में ही 25 हमले किए हैं। मुंबई हमलों के दौरान सभी आतंकियों को (एक को छोड़कर) तुरंत मार दिया गया था। तत्कालीन गृह मंत्री और मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था।''

उन्होंने कहा, ''हर बार जब भी कोई घटना होती है, वे मेरे परिवार के लोगों के नाम गिनाने लगते हैं। आप 11 साल से सत्ता में हैं। यह समय आप की सत्ता के दौरान हो रही घटनाओं की जिम्मेदारी लेने का है।

पठानकोट, उरी और पुलवामा जैसे हमलों का ज़िक्र करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, ''ये सभी हमले तब हुए, जब मोदी प्रधानमंत्री थे। उस समय के गृह मंत्री आज रक्षा मंत्री हैं। मणिपुर को आज के गृह मंत्री के कार्यकाल में जलाया गया। लेकिन उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया।''

वायनाड से पहली बार सांसद बनीं प्रियंका ने कहा कि मोदी सरकार कोई ज़िम्मेदारी नहीं लेती है।

उन्होंने कहा, ''बम धमाके सुर्खियां बनते हैं, लेकिन असली कहानी चूक में निहित होती है। किसी ने जवाब नहीं दिया कि 22 अप्रैल को क्या हुआ और क्यों हुआ? बैसारन वैली में एक भी सैनिक क्यों नहीं था? वहाँ मेडिकल सुविधा क्यों नहीं थी? उन्होंने कहा, (शाह) इतिहास के पन्नों में चले गए। नेहरू, इंदिरा गांधी, मेरी मां के आंसू, लेकिन उन्होंने (असली) सवाल का जवाब नहीं दिया।

प्रियंका ने कहा, ''लीडरशिप का मतलब सिर्फ श्रेय लेना नहीं होता, ज़िम्मेदारी लेना भी होता है। यह कांटों का ताज है, सोने का नहीं। मोदी ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेना चाहते हैं। वे खिलाड़ियों के ओलंपिक पदक जीतने का श्रेय भी लेते हैं। लेकिन सिर्फ श्रेय लेने से कोई नेता नहीं बनता। जवाबदेही भी ज़रूरी है। इस सरकार की राजनीतिक कायरता इस हद तक है कि कोई भी जवाबदेही लेने को तैयार नहीं।

प्रियंका ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य अभी भी अधूरा है।

उन्होंने कहा, ''अगर ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पाकिस्तान को सबक सिखाना था, तो यह अब भी अधूरा है। पाकिस्तान के जनरल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ लंच किया। पाकिस्तान आज संयुक्त राष्ट्र के एंटी-टैरर ग्रुप की अध्यक्षता कर रहा है, इससे (ऑपरेशन सिंदूर के) उद्देश्य को आघात पहुंचा है।

प्रियंका गांधी का आज का लोकसभा भाषण सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। उनका भाषण यूट्यूब समेत, कई सोशल मीडिया साइट्स पर वायरल हो रहा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600